दैनिक
भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :46 अंक 242 सोमवार 31 मार्च 2025 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

ब्रह्मचारिणी: सर्व सिद्धि देती हैं मां दुर्गा की दूसरी शक्ति...

दधाना करपद्माभ्यामक्षमालाकमण्डलू।
देवी प्रसीदतु मयि ब्रह्मचारिण्यनुत्तमा।।

मां दुर्गा की नवशक्ति का दूसरा स्वरूप ब्रह्मचारिणी का है। यहां ब्रह्म का अर्थ तपस्या से है। मां दुर्गा का यह स्वरूप भक्तों और सिद्धों को अनंत फल देने वाला है। इनकी उपासना से तप, त्याग, वैराग्य, सदाचार और संयम की वृद्धि होती है।

ब्रह्मचारिणी का अर्थ तप की चारिणी यानी तप का आचरण करने वाली। देवी का यह रूप पूर्ण ज्योतिर्मय और अत्यंत भव्य है। इस देवी के दाएं हाथ में जप की माला है और बाएं हाथ में यह कमण्डल धारण किए हैं।

पूर्वजन्म में इस देवी ने हिमालय के घर पुत्री रूप में जन्म लिया था और नारदजी के उपदेश से भगवान शंकर को पति रूप में प्राप्त करने के लिए घोर तपस्या की थी। इस कठिन तपस्या के कारण इन्हें तपश्चारिणी अर्थात्‌ ब्रह्मचारिणी नाम से अभिहित किया गया। एक हजार वर्ष तक इन्होंने केवल फल–फूल खाकर बिताए और सौ वर्षों तक केवल जमीन पर रहकर शाक पर निर्वाह किया।

कुछ दिनों तक कठिन उपवास रखे और खुले आकाश के नीचे वर्षा और धूप के घोर कष्ट सहे। तीन हजार वर्षों तक टूटे हुए बिल्व पत्र खाए और भगवान शंकर की आराधना करती रहीं। इसके बाद तो उन्होंने सूखे बिल्व पत्र खाना भी छोड़ दिए। कई हजार वर्षों तक निर्जल और निराहार रह कर तपस्या करती रहीं। पत्तों को खाना छोड़ देने के कारण ही इनका नाम अपर्णा नाम पड़ गया।

कठिन तपस्या के कारण देवी का शरीर एकदम क्षीण हो गया। देवता, ऋषि, सिद्धगण, मुनि सभी ने ब्रह्मचारिणी की तपस्या को अभूतपूर्व पुण्य कृत्य बताया, सराहना की और कहा– हे देवी आज तक किसी ने इस तरह की कठोर तपस्या नहीं की। यह तुम्हीं से ही संभव थी। तुम्हारी मनोकामना परिपूर्ण होगी और भगवान चंद्रमौलि शिवजी तुम्हें पति रूप में प्राप्त होंगे।

एक नजर

वाकिंग पार्क में फीस बढ़ोतरी से रोष

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। फल उद्यान बस्ती में मनमाने तरीके से उद्यान वाकिंग पार्क में फीस बढ़ोतरी को लेकर वहाँ टहलने आने वाले नागरिकों ने विरोध कर वहां के अधिकारियों से मिलकर तत्काल फीस बढ़ोतरी वापस लेने की मांग की,और विरोध प्रदर्शन किया। जिला उद्यान विकास समिति के सदस्य जीएसटी के वरिष्ठ अधिवक्ता वरिष्ठ भाजपा नेता मनमोहन श्रीवास्तव काजू ने कहाँ सुविधा के नाम पर यहां पर कुछ नहीं है दो माह पूर्व समिति की बैठक हुई थी, उस बैठक में जब यह प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया ,कि शुल्क बढ़ाया जाये,तो उस मैंने आपत्ति दर्ज कराई थी और कहा था, कि सुविधा के नाम पर उद्यान में कुछ नहीं है वॉकिंग ट्रैक टूटी हुई है, शौचालय की सफाई नहीं है शौचालय हमेशा बंद रहता है ,प्रकाश की व्यवस्था नहीं है, बंदरों का आतंक है जिससे कई बार लोग घायल हो चुके हैं ,ओपन जिम में कई इंसुमेंट टूटे हुए है, एक्सरसाइज इंस्ट्रूमेंट का अभाव है। इस शुल्क न बढ़ाया जाए ।

ईद के मुबारक मौके पर भारतीय बस्ती के पाठकों, शुभेच्छुओं, विज्ञापनदाताओं को शुभकामना–
–सम्पादक

अवकाश सूचना

ईद के मौके पर भारतीय बस्ती प्रेस एवं कार्यालय 31 मार्च को बंद रहेगा। आगामी अंक 2 अप्रैल 2025 को प्रकाशित होगा। –व्यवस्थापक

मणिपुर, नागालैंड और अरुणांचल में 6 महीने के लिए अफस्पा बढाया गया

नई दिल्ली (आभा)। केंद्र सरकार ने पूर्वोत्तर के 2 राज्यों मणिपुर और नागालैंड में सशस्त्र बल विशेष शक्तियां अधिनियम (अफस्पा) को 6 महीने के लिए बढ़ा दिया है। मौजूदा हालात को देखते हुए अरुणाचल प्रदेश को लेकर भी यह फैसला लिया गया है। गृह मंत्रालय की अधिसूचना के अनुसार, केंद्र सरकार ने मणिपुर राज्य में कानून और व्यवस्था की स्थिति की समीक्षा की। इसके बाद, सशस्त्र बल विशेष शक्तियां अधिनियम, 1958 (1958 का 28) की धारा 3 की ओर से प्रदत्त शक्तियों का इस्तेमाल किया।

5 जिलों के 13 थानों के अधिकार क्षेत्र में आने वाले इलाकों को छोड़कर पूरे मणिपुर को 1 अप्रैल 2025 से 6 माह तक अशांत क्षेत्र घोषित किया जाता है। मणिपुर के इंफाल, लांफेल, सिटी, सिंगजामेई,

पाटसोई, वांगोई, पोरोम्पैट, हिंगांग, इरिलबुंग, थौबल, बिष्णुपुर, नामबोल और काकचिंग थाना क्षेत्र में अफस्पा प्रभावी नहीं होगा। अरुणाचल प्रदेश के तीन जिलों (तिरप, चांगलांग और लोंगडिंग) और राज्य के 3 पुलिस थाना क्षेत्रों में अफस्पा को छह महीने के लिए बढ़ाया गया है।मंत्रालय ने बताया कि यह अधिनियम केंद्र की मंजूरी के बिना अशांत क्षेत्रों में काम कर रहे सशस्त्र बलों को व्यापक शक्तियां और अभियोजन से छूट देता है।

मणिपुर, नागालैंड और अरुणाचल प्रदेश में क्रमशः 1958 और 1972 से लागू है। इसकी मुख्य वजह इन क्षेत्रों में सक्रिय अलगाववादी और उग्रवादी समूहों की गतिविधियां हैं, जो भारत की संप्रभुता के खिलाफ हिंसक संघर्ष करते रहे हैं। नागालैंड में 1950 के दशक से नागा विद्रोह शुरू हुआ, जिसके बाद 1958 में अफस्पा लागू किया गया। मणिपुर में भी इसी अधिनियम को 1958 में लागू किया गया, क्योंकि यहां विभिन्न जनजातीय समूहों और अलगाववादी संगठनों ने हिंसक आंदोलन शुरू कर दिया था।

अरुणाचल प्रदेश में 1972 में अफस्पा लागू हुआ, जब चीन और म्यांमार सीमा से सटे इलाकों में उग्रवादी गतिविधियां बढ़ गईं। यह कानून सुरक्षा बलों को विशेष अधिकार देता है, जिसमें बिना वारंट के गिरफ्तारी और कुछ स्थितियों में गोलीबारी करने की इजाजत शामिल है।

कामाख्या एक्सप्रेस हादसे का शिकार, 11 डिब्बे पटरी से उतरे

बेंगलुरु (आभा)। कामाख्या एक्सप्रेस रविवार को हादसे का शिकार हो गई। हादसा ओडिशा के कटक जिले में हुआ। रेलवे अधिकारी ने बताया कि एसी ट्रेन के 11 डिब्बे पटरी से उतर गए। हादसे में अभी तक किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। राहत–बचाव कार्य के लिए एनडीआरएफ टीम और रेलवे अधिकारी मौके पर पहुंचे ।

ईस्ट कोस्ट रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी अशोक कुमार मिश्रा ने बताया कि बेंगलुरु–कामाख्या एसी एक्सप्रेस के

ग्यारह डिब्बे निर्गुंडी के पास मंगलुरी में सुबह 11.54 बजे पटरी से उतर गए। हालांकि, अब तक किसी के घायल होने या हताहत होने की कोई सूचना नहीं है। उन्होंने बताया, "हमने अपने संसाधनों को सक्रिय कर दिया है और एनडीआरएफ और दमकल सेवाओं को सूचित कर दिया है। एक राहत ट्रेन को घटनास्थल पर भेजा गया ।

इस घटना के बाद 8455885999 और 8991124238 हेल्पलाइन नंबर जारी किए गए हैं और फंसे हुए यात्रियों को उनके गंतव्य तक भेजने के लिए आवश्यक व्यवस्था की जा रही है।

कंटेनर में पीछे से घुसी ट्रेलर, चार घायल

–भारतीय बस्ती संवाददाता

बस्ती। हर्रैया थानाक्षेत्र में हाईवे पर रविवार सुबह नौ बजे के करीब अयोध्या से बस्ती वाली लेन पर ओवरब्रिज के पास आगे चल रही ट्रेलर में पीछे से जा रही कंटेनर ने जोरदार टक्कर मार दिया। हादसे में ट्रेलर का अगला भाग क्षतिग्रस्त हो गया। हादसा में दोनों वाहनों के चालक घायल हो गए। मौके पर पहुंची पुलिस ने कंटेनर में फंसे चालक को गाड़ी से बाहर निकाला। उसे सीएचसी हर्रैया भर्ती कराया। चिकित्सकों ने एक की हालत नाजुक देख उसे जिला चिकित्सालय बस्ती रेफर कर दिया। घायल कंटेनर चालक की पहचान आकाश पांडेय निवासी सुरसा देवरी थाना पिपराइच जनपद गोरखपुर व ट्रेलर चालक जागीर सिंह निवासी मलकपुर थाना बादरा जनपद अंबाला (हरियाणा) के रूप मे हुई।

आग से जली गेहूं की फसल

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

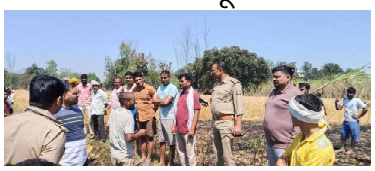

बस्ती। कोतवाली थानाक्षेत्र के उमरी गांव में रविवार सुबह 10.15 बजे अचानक गेहूं के खेत में आग लग गई। मौके पर काफी संख्या में किसान व ग्रामीण जुटे और आग बुझाना शुरू किया। लोगों ने इसकी सूचना फायर ब्रिगेड को दी। मौके पर बना पानी के टैंकर वाला एक वाहन पहुंचा, लेकिन वह स्टार्ट ही नहीं हुआ। बाद में ग्रामीणों ने किसी प्रकार आग पर काबू किया, लेकिन इस दौरान राधेशयम चौधरी, विजय चौधरी, रामललित, रामपाल, कुसुम, राजकुमार, चिंताहरण जमुना का कुल मिलाकर 17 बीघा गेहूं की फसल जलकर राख हो गई।

ईद से पहले मस्जिद में बड़ा धमाका, दो गिरफ्तार

मुम्बई (आभा)। महाराष्ट्र के बीड से ईद उल–फितर से एक दिन पहले बड़ी खबर सामने आई है। यहां रविवार तड़के सुबह एक मस्जिद में धमाके की खबर मिली है। कथित तौर पर यह विस्फोट एक शख्स द्वारा रखी गई जिलेटिन रॉड की वजह से हुआ। पुलिस ने बताया है कि इस हादसे में कोई व्यक्ति घायल नहीं हुआ है। घटना जियोराई तहसील के अर्ध मसला गांव की है जहां मस्जिद में तड़के सुबह करीब 2.30 बजे धमाका हुआ। विस्फोट के बाद मस्जिद का आंतरिक हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया है।पुलिस ने बताया कि इस संबंध में दो लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया है और मामले की जांच जारी है। घटना के बाद से गांव में तनाव का माहौल है। एक अधिकारी ने बताया कि कानून–व्यवस्था को बनाए रखने और किसी भी गलत सूचना के फैलने से बचने के लिए गांव में भारी सुरक्षा बल की तैनाती की गई है। अधिकारियों के मुताबिक एक व्यक्ति मस्जिद के पिछले हिस्से से घुसा

और कथित तौर पर वहां कुछ जिलेटिन की रॉड रख दी, जिससे विस्फोट हुआ है।

जानकारी के मुताबिक गांव के प्रधान ने सुबह करीब 4 बजे तलवाड़ा पुलिस को इसकी सूचना दी। सूचना मिलने के बाद बीड के पुलिस अधीक्षक नवनीत कंवत और अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे। अधिकारी ने बताया कि बम डिटेक्शन एंड डिस्पोजल स्क्वॉड (बीडीडीएस) के साथ फोरेंसिक साइंस टीम भी मौके पर पहुंची। अधिकारी ने बताया कि बीड पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने लोगों से अफवाह न फैलाने और कानून–व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस की मदद करने की अपील की है।

आरएसएस भारत की संस्कृति का वट वृक्ष– मोदी

नागपुर (आभा)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ को भारत की अमर संस्कृति एवं आधुनिकीकरण का 'वट वृक्ष' बताया। प्रधानमंत्री मोदी ने 'माधव नेत्रालय प्रीमियम सेंटर' की आधारशिला रखने के बाद कहा, 'आरएसएस के स्वयंसेवक देश के विभिन्न क्षेत्रों एवं हिस्सों में निरूस्वार्थ भाव से काम कर रहे हैं।'

'माधव नेत्रालय प्रीमियम सेंटर' को नागपुर स्थित माधव नेत्रालय नेत्र संस्थान एवं अनुसंधान केंद्र का विस्तार करके बनाया गया है। मोदी ने कहा, 'संघ भारत की अमर संस्कृति और आधुनिकीकरण का 'वट वृक्ष' है।' माधव नेत्रालय की स्थापना 2014 में हुई थी और यह एक प्रमुख

'सुपर–स्पेशलिटी' नेत्र चिकित्सा केंद्र है। इस संस्थान की स्थापना दिवंगत आरएसएस प्रमुख माधवराव सदाशिवराव गोलवलकर उर्फ 'गुरुजी' की स्मृति में की गई थी।

मोदी ने कहा कि गरीब से गरीब व्यक्ति के लिए सबसे अच्छा चिकित्सकीय उपचार सुनिश्चित करना सरकार की नीति है। उन्होंने कहा कि उनके शासन में अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) की संख्या में तीन गुना वृद्धि हुई है।

प्रधानमंत्री ने कहा, 'हमारी सरकार लोगों को अधिक और बेहतर चिकित्सक उपलब्ध कराने का प्रयास कर रही है।' मोदी ने कहा कि 'आयुष्मान भारत' योजना के कारण करोड़ों लोगों को निरूशुल्क चिकित्सकीय उपचार मिल रहा है। उन्होंने कहा, 'वसुधैव कुटुम्बकम का हमारा मंत्र दुनिया के सभी कोनों तक पहुंच रहा है।' इस कार्यक्रम में आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत भी मौजूद थे।

नाबालिग आदर्श उपाध्याय के परिजनों को समाजवादियों ने दिया 2 लाख का आर्थिक सहयोग

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । रविवार को समाजवादी पार्टी का एक प्रतिनिधि मण्डल पार्टी जिलाध्यक्ष एवं बस्ती सदर विधायक महेन्द्रनाथ यादव के संयोजन में दुबौलिया थाना क्षेत्र के उभाई गांव पहुंचकर नाबालिग आदर्श उपाध्याय के पिता ओम प्रकाश उपाध्याय और परिजनों से मिलकर ढाढस बधाया । पार्टी फण्ड से राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देश पर एक लाख का चेक और सपा जिला इकाई बस्ती की ओर से एक लाख कुल दो लाख रूपये की सहयोग राशि परिजनों को सौंपा गया।

दुःखी परिवार को हर स्तर पर सहयोग का आश्वासन देते हुये सांसद राम प्रसाद चौधरी ने कहा कि नाबालिग आदर्श उपाध्याय की पुलिसिया पिटाई से मौत मामले में अभी तक दोषियों के विरूद्ध मुकदमा दर्ज न किया जाना दुर्भाग्यपूर्ण है। पार्टी न्याय दिलाने की दिशा में निरन्तर सहयोग करेगी। पार्टी जिलाध्यक्ष एवं बस्ती सदर विधायक महेन्द्रनाथ यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी ने हमेशा न्याय और मानवीय मूल्यों को महत्व दिया है। यह हैरान करने वाली हास्यास्पद

-दोषियों के विरूद्ध मुकदमा दर्ज कराये प्रशासन- राम प्रसाद चौधरी

-मृतक के विरूद्ध मुकदमा हास्यास्पद, दोषी पुलिस कर्मियों पर दर्ज हो हत्या का मुकदमा- महेन्द्रनाथ यादव

स्थिति है कि पुलिस ने मृतक आदर्श उपाध्याय के खिलाफ ही एफआईआर दर्ज कर दिया और दोषी पुलिस कर्मियों के विरुद्ध कोई उचित कार्रवाई नहीं की गई। कहा कि यह अन्यायपूर्ण एवं असंवेदनशील कृत्य समाजवादी पार्टी बर्दाश्त नहीं करेगी। दुःखी परिवार को न्याय दिलाने के लिये हर स्तर पर संघर्ष किया जायेगा। मांग किया कि दोषी पुलिस कर्मियों के विरूद्ध मुकदमा पंजीकृत कर हत्या के मामले में उन्हें गिरफ्तार किया जाय। पार्टी इस मामले में आर–पार का संघर्ष करेगी।

दुबौलिया थाना क्षेत्र के उभाई गांव पहुंचकर नाबालिग आदर्श उपाध्याय के पिता ओम प्रकाश उपाध्याय और परिजनों से मिलकर ढाढस बधाने वालों में सपा विधायक राजेन्द्र चौधरी, कविन्द्र चौधरी 'अतुल', हर्रैया नगर पंचायत अध्यक्ष राजू सिंह, कक्कू शुक्ल के साथ ही पार्टी के अनेक पदाधिकारी, कार्यकर्ता शामिल रहे।

छात्र शिवम सोनकर के समर्थन में उतरे समाजवादी: काली पट्टी बांधकर किया प्रदर्शन

–भारतीय बस्ती संवाददाता

बस्ती। रविवार को वाराणसी के बीएचयू में कुलपति आवास के सामने पिछले 10 दिनों से धरना दे रहे छात्र शिवम सोनकर के समर्थन में समाजवादियों ने पार्टी नेता अरविन्द सोनकर के साथ कटेश्वर पार्क स्थित बाबा साहब प्रतिमा के निमट काली पट्टी बांधकर विरोध प्रदर्शन किया।

सपा नेता अरविन्द सोनकर ने कहा कि बीएचयू के मालवीय सेंटर फॉर पीस रिसर्च में प्रवेश में अनियमितता का आरोप लगाते हुए छात्र शिवम सोनकर धरने पर बैठा है। उसका कहना है कि सामान्य वर्ग में दूसरा स्थान आने पर भी उसे

प्रवेश नहीं दिया जा रहा। कहा कि शिवम जैसे मेधावी छात्रों की आवाज दबाई जा रही है, जबकि यह प्रशासन का कर्तव्य है कि वह छात्रों से संवाद करें और उनकी समस्याओं का समाधान निकालें। कहा कि बीएचयू प्रशासन शिवम सोनकर की समस्याओं का समाधान कराये।

शिवम सोनकर के समर्थन में काली पट्टी बांधकर विरोध प्रदर्शन करने वालों में राम सिंह यादव, युनूस आलम, अजय यादव, रहमान सिद्दीकी, विशाल युनूस आलम, राहुल कुमार सोनकर, संदीप, मोहित, अजय, रजनीश यादव, गंगा प्रसाद, नितिन कुमार, राम आशीष आमिश खान, रवि गुप्ता, राहुल, मनोज भारती, सन्तोष वर्मा, प्रशान्त यादव, गिरीश चन्द्र आदि शामिल रहे।

बौद्ध सम्मेलन में पहुंचे बसपा प्रदेश अध्यक्ष: कार्यकर्ताओं ने किया स्वागत

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । बहुजन समाज पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष विश्वनाथ पाल का रविवार को बस्ती पहुंचने पर पार्टी नेताओं, कार्यकर्ताओं ने कप्तानगंज कस्बे के साथ ही अनेक स्थानों पर जिलाध्यक्ष अनिल गौतम के संयोजन में स्वागत किया। इसी क्रम में वे राजकीय इण्टर कालेज में आयोजित बौद्ध धम्म महासम्मेलन में पहुंचे और धम्मा लर्निंग सेण्टर सारनाथ के संस्थापक भिक्खु चन्द्रिमा थेरो, अग्ग महापण्डित भदन्त ज्ञानेश्वर महास्थिवर के साथ ही कार्यक्रम में अनेक स्थानों से आये बौद्ध भिक्षुओं का वंदन कर आशीर्वाद लिया।

बसपा पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं से वार्ता के दौरान विश्वनाथ पाल ने संगठन की मजबूती से ही राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक लक्ष्य हासिल होंगे। इस दिशा में पूरी ताकत से जुट जाय।

बसपा प्रदेश अध्यक्ष विश्वनाथ पाल का स्वागत करने वालों में मुख्य रूप से पूर्व विधायक भगवानदास, पूर्व एमएलसी लालचंद निषाद, मण्डल प्रभारी धर्मदेव प्रियदर्शी, सीताराम शास्त्री, झिनकान प्रसाद, भरतलाल निषाद, शिवशंकर शाका, के.पी. राठौर, अमित चौधरी, जब्बार अली, कृपाशंकर गौतम, संजय धूसिया, राजेन्द्र गौतम, दिवाकर कपूर, राजू राव, देशराज, नवमी प्रसाद, प्रदीप कुमार, रामचेत निराला, अतर सिंह, रामकरन गौतम, रामफेर गौतम, के. सी. मौर्या, अनूप कुमार, संजय मौर्या, विनय अम्बेडकर, अनिल आजाद, आदित्य राना, नगेन्द्र, भूपेन्द्र राना, उमाशंकर, विजय कुमार के साथ ही बसपा के अनेक कार्यकर्ता शामिल रहे।

जांच के नाम पर ई- रिक्शा चालकों का उत्पीड़न बर्दाश्त नहीं: होगा आन्दोलन-महेन्द्र श्रीवास्तव

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । कांग्रेस आर.टी.आई. विभाग के प्रदेश उपाध्यक्ष और बस्ती आटो रिक्शा जन कल्याण समिति के संरक्षक महेन्द्र श्रीवास्तव ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मांग किया है कि जांच के नाम पर टेम्पो और ई– रिक्शा चालकों के उत्पीड़न का फरमान वापस लिया जाय।

प्रेस को जारी विज्ञप्ति के माध्यम से महेन्द्र श्रीवास्तव ने बताया कि प्रदेश में बेरोजगारी लगातार बढ रही है और पढ़े लिखे शिक्षित युवा मजबूरी में ई– रिक्शा चलाकर अपने परिवार का भरण पोषण कर रहे हैं। यदि जांच अभियान के नाम पर ई– रिक्शा चालकों से यह भी मौका छीन

लिया गया तो आखिर क्या करेंगे। कहा कि एक ओर तो आर.टी.ओ. विभाग के संरक्षण में सैकड़ो डग्गामार और डबल डेकर बसें, डम्फर चल रहे है उस पर जिम्मेदार मौन है। विभाग से लेकर थानों पर उनका महीना बंधा है दूसरी ओर अब ई– रिक्शा चालकों के लिये 1 अप्रैल से विशेष जांच का फरमान योगी सरकार ने जारी कर दिया है। इस फरमान से ई– रिक्शा चालकों में भय व्याप्त है कि यदि विशेष कडाई हुई तो उनके घरों में रोटी कैसे बनेगी। कांग्रेस नेता ने प्रदेश सरकार से मांग किया है कि ऐसे तुगलगी आदेश को फौरन वापस कराया जाय और यदि सरकार, विभाग आवश्यक समझे तो ई– रिक्शा चालकों को विशेष प्रशिक्षण दिलवाये जिससे वे और बेहतर ढंग से अपना कार्य कर सके। उन्होने चेतावनी दिया कि यदि कथित जांच के नाम पर ई– रिक्शा चालकों का उत्पीड़न किया गया, धन उगाही का प्रयास हुआ तो टेम्पो चालक आन्दोलन करने को बाध्य होंगे।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"–वेंडेल फिलिप्स

दैनिक भारतीय बस्ती
बस्ती 31 मार्च 2025 सोमवार

सम्पादकीय

सवाल पूछना आखिर जुर्म क्यों?

एक लोकतांत्रिक देश के संघीय ढांचे की अहम पहचान है सवाल पूछना और अभिव्यक्ति की आजादी। नागरिकों की आवाज को समाचार में जगह देना पत्रकार का दायित्व होता है। अगर वह सच्चाई सामने नहीं लाएगा, जनता की परेशानियों तथा उनकी नाराजगी को सामने नहीं रखेगा, तो पत्रकारिता अपना मूल उद्देश्य खो देगी। लेकिन आलम यह है कि शासन तंत्र अपने खिलाफ कोई भी स्वर नहीं सुनना चाहता। इसकी बानगी गुवाहाटी में देखने को मिली, जहां एक सहकारी बैंक के खिलाफ विरोध प्रदर्शन के दौरान वित्तीय अनियमितताओं को लेकर सवाल पूछने वाले पत्रकार को गिरफ्तार कर लिया गया।

हालांकि बाद में एक अदालत ने पत्रकार को जमानत दे दी। उस बैंक में अहम पदों पर सत्ता से जुड़े रसूखदार लोग काबिज हैं और वह पत्रकार वहां चल रही अनियमितताओं को लेकर लगातार अपने समाचार पोर्टल पर लिख रहा था। हालांकि इस संबंध में पुलिस का कहना है कि उस पत्रकार ने जनजातीय समुदाय के एक व्यक्ति के खिलाफ जातिवादी टिप्पणियां की थी।

व्यवस्था के विरोध में जनता के लिए लिखने वाले पत्रकारों के प्रति शासन की असहिष्णुता की खबरें अक्सर सामने आती हैं। लेकिन ऐसी स्थिति में कोई पत्रकार कैसे अपनी जिम्मेदारी निभा पाएगा। तमाम वैश्विक एजंसियां भारत में प्रेस की स्वतंत्रता को लेकर सवाल उठा रही हैं। यह खेदजनक है कि प्रेस स्वतंत्रता सूचकांक में भारत लगातार नीचे खिसक रहा है। 180 देशों में भारत वर्तमान में 159वें स्थान पर है। वर्ष 2003 से ही भारत का प्रदर्शन खराब आंका जा रहा है।

सूचकांक के अनुसार, भारत में प्रेस की स्वतंत्रता को कब्जे वाले फिलिस्तीनी क्षेत्रों, संयुक्त अरब अमीरात, तुर्किये और रूस के बराबर माना जा रहा है। ब्रिक्स देशों में ब्राजील और दक्षिण अफ्रीका को भारत की तुलना में ज्यादा स्वतंत्रता प्राप्त है, जबकि चीन और रूस निचले पायदान पर हैं। दक्षिण एशियाई देशों में, बांग्लादेश को छोड़कर अन्य सभी देश नवीनतम सूची में भारत से बेहतर स्थान पर हैं। हमें सोचना होगा कि हम कहां खड़े हैं। लोकतांत्रिक ढांचे को मजबूत करने वाले इस अहम कारक की ओर ध्यान देना होगा कि यह अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता ही है जो भारत के लोकतंत्र को मजबूत करती है। लोकतंत्र के साथ पत्रकारों के अधिकारों की रक्षा करनी ही होगी।

बुलडोजर न्याय के निहितार्थ

बुलडोजर एक्शन पर सुप्रीम कोर्ट को एक बार फिर तल्ख टिप्पणी करनी पड़ी है। हैरत की बात है कि देश की शीर्ष अदालत के बार–बार कहने के बावजूद, महाराष्ट्र से लेकर यूपी तक बुलडोजर के जरिये कथित इंसाफ की कोशिश जारी है, जबकि कानून इसकी इजाजत नहीं देता। सुप्रीम कोर्ट ने जिस घटना पर कहा कि यह उसकी अंतरात्मा को झकझोर देने वाली है, वह प्रयागराज की है। याचिकाकर्ताओं का कहना है कि नोटिस देने के 24 घंटे के भीतर उनके मकान गिरा दिए गए। इसी तरह, महाराष्ट्र के मालवण में एक कबाड़ व्यापारी के घर पर. बुलडोजर चलाने के मामले में भी सुप्रीम कोर्ट ने स्थानीय नगर परिषद को नोटिस जारी किया है। लेकिन सबसे ज्यादा चौकाती है नागपुर की घटना, जहां हाल में घटी हिंसा के आरोपियों के घर नगर निगम ने ध्वस्त करा दिए।

हर जगह पुलिस–प्रशासन के काम करने का तरीका एक जैसा दिखता है। जिस भी मामले से बड़े जनसमुदाय की भावनाएं जुड़ी होती हैं, उनमें फटाफट आरोपियों की संपत्ति की नाप–जोख शुरू हो जाती है। एक दिन नोटिस जारी होता है और अगले दिन बुलडोजर पहुंच जाता है अपील करने तक का मौका नहीं दिया जाता, जो हर नागरिक का संवैधानिक अधिकार है। नागपुर मामले में ही बॉम्बे हाई कोर्ट की नागपुर बेंच ने आरोपियों की प्रॉपर्टी के खिलाफ कार्रवाई पर रोक लगा दी, लेकिन जब तक आदेश आता, तब तक बहुत देर हो चुकी थी।

प्रशासन का तर्क है कि निर्माण अवैध था। लेकिन, क्या बिना उचित सुनवाई के कार्रवाई करना वैध है? जो अवैध निर्माण बरसों से खड़ा है, जिस पर किसी अथॉरिटी की नजर नहीं जाती, अचानक वह इतना खतरनाक हो जाता है कि आनन–फानन में बुलडोजर चलाना पड़ता है। ऐसी ही तेजी सारे अवैध निर्माणों के खिलाफ क्यों नहीं दिखती? और इससे भी बड़ा सवाल है कि इतना बड़ा अवैध निर्माण हो कैसे जाता है?

सुप्रीम कोर्ट ने नवंबर 2024 में कहा था कि दंडात्मक उपायों के रूप में बुलडोजर कार्रवाई असंवैधानिक है एक्शन से पहले नोटिस और सुनवाई का वक्त देना होगा सुप्रीम कोर्ट ने आदेश का उल्लंघन करने वाले अफसरों पर कार्रवाई तक की चेतावनी दी थी, लेकिन इसका असर होता नहीं दिख रहा और होगा भी क्यों, जब सरकारें खुद इसे प्रमोट करेंगी। इस पर रोक लगनी चाहिए।

बिहार की राजनीति में छोटे दलों की भूमिका

– कमलेश पाण्डेय–

भारतीय राजनीति में बिहार को सियासी प्रयोगशाला समझा जाता है। यहां पर कई ऐसे दिग्गज राजनेता हुए, जिसे चुनावी मौसम विज्ञानी तक करार दिया गया। इनमें पूर्व केंद्रीय मंत्री स्व. रामविलास पासवान और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का नाम अग्रगण्य है। चूंकि बिहार विधानसभा 2025 के लिए अक्टूबर–नवम्बर में चुनावी होने हैं, इसलिए यह महत्वपूर्ण चुनावी साल भी है, जिसके दृष्टिगत सभी राजनीतिक दल अपने अपने समीकरण बनाने में जुट गए हैं। यूँ तो राज्य में कुल 243 सीटें हैं और दो बड़े गठबंधन हैं। जिनमें भाजपा और जेडीयू आदि की भागीदारी वाला एनडीए अभी सत्ता में है और कांग्रेस व आरजेडी आदि की भागीदारी वाला महागठबंधन विपक्ष में है। वहीं, दोनों ही गठबंधन में कुल 10 महत्वपूर्ण राजनीतिक पार्टियां हैं, जो जाति–धर्म–क्षेत्र के आधार पर या फिर कहें कि खुद को सत्ता में बनाए रखने की संभावनाओं के आधार पर भारी उलटफेर करती रहती हैं, जिससे भाजपा और कांग्रेस जैसे बड़े दलों का सियासी कद भी उनके सहयोगियों की जिद्द के समक्ष बौना नजर आता है। यहां की राजनीति में जदयू सुप्रीमो व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने गठबंधन में उलटफेर का ऐसा कीर्तिमान स्थापित किया है कि बिहार के कई सारे सियासी रिकॉर्ड को उन्हें ध्वस्त कर अपने नाम कर लिया है।

वहीं, नीतीश कुमार और पूर्व मुख्यमंत्री व राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद की सियासी हनक से प्रेरणा लेते हुए कई ऐसे राजनीतिक दल अस्तित्व में आए हैं, जो अपने अपने इलाकों में अच्छे–खासे सक्रिय नजर आ रहे हैं और किसी भी प्रतिद्वंद्वी के सियासी भविष्य को मटियामेट करने लायक व्यापक प्रभाव रखते हैं। इनमें नवस्थापित जनसुराज पार्टी के सर्वेसर्वा प्रशांत किशोर के अलावा पुष्पम प्रिया, असदुद्दीन ओवैसी और आरसीपी सिंह आदि की पार्टी प्रमुख है, क्योंकि ये नेता ना तो लालू यादव–कांग्रेस के खेमे से जुड़े हैं और ना ही नीतीश कुमार–बीजेपी के खेमे में हैं।

इसलिए यह समझा जा सकता है कि 2025 के विधानसभा चुनाव में इन नेताओं की पार्टियां किसी तीसरे मोर्चे के रूप में उभर रही हैं, जो पारंपरिक गठबंधनों से अपनी अलग और अलहदा पहचान बनाने की कोशिश में जुटी हुई हैं। कहने का तातपर्य यह कि ये दल स्वतंत्र रूप से अपनी अपनी राजनीतिक गतिविधियों में लगे हुए हैं, जो यदि बिहार विधानसभा की 10–20 प्रतिशत सीटें भी जीतने में कामयाब हो गए तो नीतीश कुमार और लालू प्रसाद का रिमोट कंट्रोल अपने हाथ में रखने में सफल होंगे।

भारतीय इतिहास में चंपारण आंदोलन के बाद महात्मा गांधी जिस तरह से पूरे देश में चमके और सम्पूर्ण क्रांति के बाद जयप्रकाश नारायण जिस तरह से समूचे राष्ट्र में लोकप्रिय हुए, उससे यहां की सियासी हवा को समझा जा सकता है। वैसे भी हिंदी पट्टी की राजनीति गैर कांग्रेस और गैर भाजपा राजनीति के लिए मुफीद समझी जाती है, जबकि लंबे समय तक कांग्रेस ने और फिर भाजपा ने इसे मनमाफिक हांका है। लालू प्रसाद और नीतीश कुमार इसी सियासी दांवपेंच की सफल पैदाइश समझे जाते हैं। हालांकि, बिहार की नई पीढ़ी अब इस तरह की घाती–प्रतिघाती राजनीति से ऊब चुकी है। इसलिए साल 2025 में वहां कुछ नया करिश्मा हो जाए तो कोई हैरत की बात नहीं होगी।

आप मानें या न मानें, लेकिन बिहार की राजनीति को पड़ोसी प्रान्त उत्तरप्रदेश, झारखंड और पश्चिम बंगाल और पड़ोसी देश नेपाल व बंगलादेश की राजनीति भी प्रभावित करती है। पाकिस्तान और अरब देशों की सियासत का प्रभाव भी बैक डोर से यहां की राजनीति पर पड़ती है, इसलिए यहां की राजनीति को एकतरफा रूप से प्रभावित करने में कभी लालू प्रसाद सफल हुए तो कभी नीतीश कुमार। अब आगे की लड़ाई उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी (भाजपा), पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव (राजद), चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर (जनसुराज पार्टी) और युवा तुर्क नेता कन्हैया कुमार (कांग्रेस) के बीच यदि सिमट जाए तो किसी के लिए हैरत की बात नहीं होगी। वैसे भी सम्राट चौधरी का सियासी ग्राफ सबसे ऊपर चल रहा है, क्योंकि आरएसएस और भाजपा, दोनों को उनमें अपना सियासी भविष्य दिख रहा है। नीतीश कुमार के स्वाभाविक विकल्प के तौर पर वो उभरे हैं।

आपकी सियासी याद तरोताजा कर दें कि बिहार में 2020 के विधानसभा चुनाव में 212 पार्टियों ने हिस्सा लिया था, जबकि 2024 के लोकसभा चुनाव में 96 पार्टियां मैदान में उतरी थीं। यह बात अलग है कि 2020 के बिहार विधानसभा चुनाव में दर्जनों पार्टियां ऐसी थीं, जिन्होंने सिर्फ एक–एक सीट पर ही अपने उम्मीदवार उतारे थे। वहीं, कई पार्टियों ने 2, 3, 4, 5, 6 उम्मीदवारों को टिकट दिए थे। इससे राजद को परोक्ष लाभ मिला था, जिससे वह मजबूत तो हुई लेकिन सत्ता तक नहीं पहुंच पाई।

तब बिहार में एनडीए की सरकार बनी, ब्रेक के बाद अभी भी वहां पर एनडीए की ही सरकार है। क्योंकि 2020 के चुनाव में एनडीए ने 125 और महागठबंधन ने 110 सीटें जीती थीं। लेकिन कुशल सियासी रणनीति वश वर्तमान में एनडीए के खेमे में 129 विधायक हैं, जिनमें बीजेपी के 80, जेडीयू के 45 और जीतनराम मांझी की हम (भ।ड) पार्टी के 4 विधायक हैं। वहीं, विपक्ष के पास 107 विधायक हैं, जिनमें आरजेडी के 77, कांग्रेस के 19 और सीपीआई (एमएल) के 11 विधायक हैं। यहां पर बहुमत के लिए 122 विधायक होना जरूरी है। ऐसे में 45 विधायकों वाले नीतीश कुमार का मुख्यमंत्री बनना अपने आप में एक सियासी करिश्मा नहीं तो क्या है?

बता दें कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) में भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी), जनता दल (यूनाइटेड), हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (हम), लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास), राष्ट्रीय लोक मोर्चा (आरएलएम) आदि के नाम प्रमुख हैं। वहीं, महागठबंधन में राष्ट्रीय जनता दल (राजद), भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अलावा वामपंथी दलों में भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (ब्व्प), भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी), भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी–लेनिनवादी) लिबरेशन का नाम प्रमुख है। इसी गठबंधन में मुकेश सहनी की विकासशील इंसान पार्टी का नाम भी शामिल है।

वहीं, कुछ ऐसी कद्दावर पार्टियां भी हैं जो देखने में भले ही किसी गठबंधन में नहीं हैं, लेकिन उनकी रिमोट कंट्रोल भी भाजपा या कांग्रेस से सहानुभूति रखने वाले किसी बड़े नेता या उनके मित्र उद्योगपति के पास है, जिनमें जनसुराज पार्टी, बहुजन समाज पार्टी, आम आदमी पार्टी , ऑल इंडिया मजलिस–ए–इत्तेहादुल मुस्लिमीन, प्लूरल्स पार्टी ,आप सबकी आवाज, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) आदि का नाम प्रमुख है। ऐसे में समझा जा सकता है कि दोनों गठबंधनों का राजनीतिक भविष्य इन्हीं पार्टियों के कद्दावर उम्मीदवार तय करेंगे।

इसलिए सुलगता सवाल है कि तीसरे मोर्चे का आगामी चुनाव में क्या प्रभाव पड़ेगा। क्योंकि देश में भले ही भाजपा की लहर चल रही है, लेकिन वक्फ बोर्ड संशोधन बिल, औरंगजेब और राणा सांगा प्रकरण आदि का मिलाजुला असर भी यहां देखने को मिल सकता है। इस लिहाज से जन सुराज पार्टी के चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर ने सबसे पहले जिस 'जन सुराज अभियानश की शुरुआत की और पूरे राज्य में पदयात्रा की, फिर 2 अक्टूबर 2024 को राजनीतिक दल का ऐलान किया, उसका सकारात्मक असर लोगों के दिलोदिमाग पर पड़ा है।

चूंकि जनसुराज पार्टी ने अपना चुनावी पदार्पण नवंबर 2024 में बिहार की चार विधानसभा सीटों इमामगंज, बेलागंज, रामगढ़, और तरारी के उपचुनावों में किया, जिनमें भले ही पार्टी के सभी चारों उम्मीदवार हार गए और उसके तीन उम्मीदवारों की जमानत तक जब्त हो गई, लेकिन तीन सीटों पर पार्टी तीसरे स्थान पर रही, जबकि रामगढ़ में चौथे स्थान पर रही। इससे इसकी सियासी पैठ बनाने की संभावना यहां बरकरार है। इन उपचुनावों में पार्टी को कुल मिलाकर लगभग 66,000 वोट मिले। पार्टी के प्रदर्शन पर प्रशांत किशोर ने ठीक ही कहा है कि हमारी नवगठित पार्टी ने चारों सीटों पर करीब 10: वोट हासिल किए। जबकि आगामी बिहार विधानसभा चुनावों के लिए उनके पास तैयारी के लिए पर्याप्त समय है।

यही वजह है कि पिछले 6 महीने से जन सुराज पार्टी भी अपने संगठनात्मक ढांचे को निरंतर मजबूत करने में जुटी हुई है और बिहार में अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराने की कोशिश कर रही है। पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर ने बिहार के विभिन्न जिलों का दौरा किया है और संगठन को खड़ा करने के लिए ताकत झोंकी है। उन्हें भले ही सवर्ण नेता कहकर बदनाम किया जा रहा है, लेकिन बिहार की पिछड़ा बहुल राजनीति में, उनकी सियासी पार्टी के एक मजबूत राजनीतिक विकल्प के रूप में सामने आने की कोशिश से यह साफ है कि लालू प्रसाद, नीतीश कुमार, स्व. रामविलास पासवान आदि की गलतियों से सबक लेकर वह मजबूती से उभरेंगे और सवर्णों के कद्दावर नेता बनेंगे अपने व्यक्तिगत अनुभव व नेटवर्क के बल पर। बिहार की सवर्ण विरोधी राजनीति की यही डिमांड भी है।

जहां तक एआईएमआईएम की बात है तो साल 2020 के चुनाव में इसका प्रदर्शन सीमांचल में काफी मजबूत रहा, लेकिन विधायकों के राजद से दल–बदल के कारण पार्टी की विधानसभा में उपस्थिति कमजोर हो गई। बता दें कि बिहार में इस पार्टी को मुख्य रूप से मुस्लिम मतदाताओं का समर्थन हासिल होता है, लेकिन सीमांचल से बाहर इसकी पकड़ बहुत कमजोर है। ऐसे में 2025 चुनावों में इस अल्पसंख्यक बहुल पार्टी की क्या रणनीति होगी, यह देखने योग्य होगा। इसके उम्मीदवार राजद, जदयू और कांग्रेस आदि के उम्मीदवार की राजनीतिक किस्मत बदलने का माद्दा रखेंगे। इससे भाजपा को परोक्ष लाभ मिलेगा।

उल्लेखनीय है कि 2020 के विधानसभा चुनाव में ओवैसी की पार्टी ने 20 सीटों पर उम्मीदवार उतारे, जिसमें से 5 सीटों पर जीत मिली और 4 सीटों पर पार्टी के उम्मीदवार तीसरे नंबर पर आए। जिन सीटों पर जीत मिली, उनमें अमौर से अख्तरुल इमान, जोकीहाट से शाहनवाज आलम, बहादुरगंज से अनजार नईमी, कोचाधामन से मुश्ताक आलम और बैसी से अब्दुल सुब्हान का नाम शामिल हैं।

इस प्रकार 2020 में एआईएमआईएम ने कुल 5,23,279 वोट हासिल किए थे। यानी 1.3 फीसदी वोट शेयर रहा। सभी सीटें सीमांचल क्षेत्र (कटिहार, किशनगंज, अररिया और पूर्णिया) में थीं, जहां मुस्लिम आबादी ज्यादा है। हालांकि, जून 2022 में ओवैसी की पार्टी को झटका लगा और चार विधायक आरजेडी में शामिल हो गए। अभी पूर्णिया जिले की आमौर सीट से अख्तरुल इमान ही पार्टी के एकमात्र विधायक बचे हैं, जो पार्टी के बिहार प्रदेश अध्यक्ष हैं। इनकी मजबूती भाजपा को सियासी ऑक्सिजन देने के लिए जरूरी है। जहां तक प्लूरल्स पार्टी की बात है तो इस पार्टी की स्थापना 2020 में पुष्पम प्रिया चौधरी ने की। बता दें कि पुष्पम प्रिया लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स से पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन में स्नातकोत्तर हैं। उनकी पार्टी ने 2020 के विधानसभा चुनावों में हिस्सा लिया, जिसमें पुष्पम प्रिया स्वयं बांकीपुर सीट से उम्मीदवार थीं। हालांकि, उन्हें सियासी सफलता नहीं मिली। वहीं 2024 में पुष्पम प्रिया ने राज्य में सत्ता परिवर्तन के लिए मुहिम चलाई और बोधगया से श्महायान यात्राश शुरू की। पुष्पम प्रिया सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर अच्छी खासी एक्टिव देखी जाती हैं जो उन्हें हवा हवाई नेता से ज्यादा कुछ नहीं बना सकता। इसलिए उन्हें हकीकत की सियासी जमीन पर उतरना होगा।

पारंपरिक जल स्रोतों का संरक्षण समय की मांग

–पंकज चतुर्वेदी–

यह कैसी विडंबना है कि जिस शहर के बीच से सदानीरा यमुना जैसी नदी लगभग 27 किलोमीटर बहती हो, वही हर साल चौत बीतते ही पानी की किल्लत के लिए कुख्यात हो जाता है। दिल्ली की पिछली सरकार अपने जल स्रोतों की परवाह साल भर नहीं करती थी और जब पानी के लिए आम लोग हलकान होते हैं, तो हरियाणा पर आरोप लगाकर सुप्रीम कोर्ट का रुख कर लेती थी। यह पिछले आठ सालों से हर बार हो रहा था। जब दिल्ली में यमुना लबालब होती है, तो यहां के नाले और कारखाने उसमें इतना जहर घोल देते हैं कि नदी सारे रास्ते हांफती रहती है। और जब पानी का संकट खड़ा होता है, तो तभी नदी की याद आती है।

यह हाल केवल दिल्ली का नहीं, बल्कि देश के अधिकांश बड़े शहरों का है। बेंगलुरु, जो कभी तालाबों और जलस्रोतों से संपन्न था, आज 'केपटाउन' जैसी जल संकट की चेतावनी से जूझ रहा है। मानसून के दौरान जलभराव की स्थिति बन जाती है। मुंबई की पांच नदियां अब नाले में बदल चुकी हैं, और बरसात का पानी अब समुद्र में मिल जाता है। जरूरत के समय लोग भूजल और टैंकर के जरिए जैसे–तैसे जिंदगी काटते हैं। हैदराबाद, चेन्नई, इंदौर, पटना और श्रीनगर जैसे शहरों में भी जल संकट गहरा रहा है, हालांकि नक्शे पर ये शहर नदी, तालाब और नहरों से जुड़े हुए हैं।

राजधानी दिल्ली की 31 प्रतिशत आबादी को स्वच्छ पेयजल उनके घर के नल से नहीं मिल पाता। हजारों टैंकर हर दिन कालोनियों में जाते हैं, और लोगों के लिए पानी जुटाने के लिए भूमिगत जलस्तर को इतनी गहराई तक खोदा गया है कि सरकारी भाषा में कई इलाके अब 'डार्क जोन' के रूप में पहचाने गए हैं। दिल्ली के नजदीक गाजियाबाद, जो यमुना–हिंडन के त्रिभुज पर स्थित है, की अधिकांश कालोनियां पानी की भारी किल्लत से जूझ रही हैं। दोनों नदियां अब कूड़ा ढोने का रास्ता बनकर रह गई हैं।

गुरुग्राम में जरूरत की तुलना में 105 एमएलडी कम पानी की आपूर्ति हो रही है। दिल्ली में केवल यमुना ही नहीं, बल्कि 983 तालाब, झील और जोहड़ भी हैं। जल संसाधन मंत्रालय की गणना के अनुसार, इनमें से किसी को भी प्यास बुझाने के लायक नहीं माना जाता। दिल्ली, जो गंगा और भाखड़ा से सैकड़ों किलोमीटर दूर है, पानी मंगवाती है, लेकिन अपने ही तालाबों को इस तरह से संरक्षित नहीं करती कि वे बरसात का पानी जमा कर सकें। जिन तालाबों में पानी जमा हो सकता है और जो जीवन की उम्मीद बन सकते हैं, उनमें से तीन–चौथाई जल निकायों का इस्तेमाल सिर्फ सीवर की गंदगी बहाने के लिए होता है।

तालाबों को नष्ट करने का खमियाजा समाज ने किस तरह भुगता, इसकी सबसे बड़ी मिसाल बेंगलुरु है। यहां समाज, अदालत और सरकार सभी जमीन माफिया के सामने असहाय नजर आते हैं। यदि हम शहर की जल स्थिति पर नजर डालें तो यह अस्वाभाविक–सा लगता है कि वहां जरूरत का महज 80 प्रतिशत जल ही आपूर्ति हो पा रहा है। एक करोड़ 40 लाख की आबादी वाले महानगर में हर कदम पर जल स्रोत हैं। लेकिन अंधाधुंध शहरीकरण और उसके लालच में पारंपरिक जलस्रोतों और हरियाली का अगर यही हाल रहा, तो बेंगलुरु को केपटाउन बनने से कोई नहीं रोक सकता। सरकारी रिकार्ड के मुताबिक नब्बे साल पहले बेंगलुरु शहर में 2789 केरे यानी झील हुआ करती थीं। सनद् साठ आते–आते इनकी संख्या घटकर 230 रह गई। वर्ष 1985 में शहर में केवल 34 तालाब बचे और अब इनकी संख्या तीस तक सिमट गई है। जल निधियों की उपेक्षा का ही परिणाम है कि न केवल शहर का मौसम बदल गया है, बल्कि लोग बूंद–बूंद पानी को भी तरस रहे हैं। हैदराबाद और चेन्नई में भी जैसे ही विदेशी कंपनियां आना शुरू हुईं और आबादी बढ़ने के साथ मकान की जरूरत बढ़ी, तालाब–नदियों को ही समेटा गया और जल संकट को स्वयं आमंत्रित कर लिया।

देश के 10 में से सात महानगरों में भूजल स्तर अब खतरनाक स्तर पर है और अब उसे और उलीचा नहीं जा सकता। डब्ल्यूडब्ल्यूएफ की एक रिपोर्ट चेता चुकी है कि जब भारत आजादी के सौ साल मनाएगा तब 30 शहर जलहीन की सीमा तक सूख जाएंगे। इनमें महानगर और राजधानियां तो हैं ही, इंदौर, बठिंडा और कोयंबटूर जैसे शहर भी हैं।

यह कड़वा सच है कि जलवायु परिवर्तन के चलते चरम मौसम ने जल–चक्र को गड़बड़ाया है, लेकिन इसके साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों से शहरों की तरफ तेज पलायन, अनियोजित शहरीकरण, कम बरसात, अधिक गर्मी, उथले जलस्रोतों में अधिक वाष्पीकरण और जल का खराब प्रबंधन ये सभी ऐसे कारण हैं जो जल संकट के लिए प्रकृति से अधिक इंसान को जिम्मेदार ठहराते हैं।

मानव सभ्यता की धरोहर के रहस्य

–समीर चौधरी–

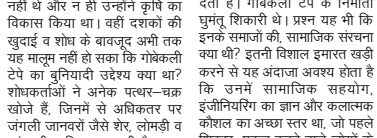

दक्षिण पूर्व तुर्की की सुदूर पहाड़ियों में स्थित गोबेकली टेपे को यह श्रेय प्राप्त है कि यह संसार की सबसे पुरानी इमारत है। कम से कम 11,500 साल पुरानी यह बिल्डिंग एक अनूठा आर्कियोलॉजिकल शाहकार है। इसकी खोज 1960 के दशक में हुई थी, लेकिन इसको समझने का सिलसिला 1990 के दशक में ही आरंभ हो सका और तब से यह इमारत अध्ययन व जिज्ञासा का विषय बनी हुई है। दशकों के शोध के बावजूद इसके निर्माण का असल उद्देश्य अब भी पहेली बना हुआ है। आयु में गोबेकली टेपे स्टोनहेंज से भी 6,000 वर्ष से अधिक आगे निकल जाता है, जो आर्कियोलॉजिस्ट्स व इतिहासकारों को सभ्यता के उदय के बारे में पुनरू विचार करने पर मजबूर करता है।

गोबेकली टेपे में पत्थरों के विशाल चक्र, टी–आकार के स्तंभ और पेचीदा नक्काशी हैं। यह साइट इस धारणा को चुनौती देती है कि जटिल निर्माण व सामाजिक संरचना का उदय कृषि के आगमन पर हुआ। सीरिया की सीमा के निकट जर्मस पहाड़ों में स्थित गोबेकली टेपे का निर्माण कृषि के आगमन व एक जगह बसे रहने वाले समुदायों या विकसित सभ्यताओं से बहुत पहले शिकार–एकत्र करने वाले समाजों ने किया था। इस साइट में पत्थरों के विशाल चक्र टी–आकार के स्तंभों के सहारे खड़े हैं, जो चूनापत्थर से तराशे गये हैं और कुछ पत्थरों का वजन 10 टन से अधिक है। हैरत है कि पास के पठार से इन पत्थरों को किस तरह लाया–तराशा गया होगा।

गोबेकली टेपे की खोज ने आर्कियोलॉजिकल टाइमलाइंस को एकदम बदल कर रख दिया है। पहले यह माना जाता था कि जब इंसान ने कृषि जीवनशैली अपनाना आरंभ किया तब वह एक जगह पर बसने लगा और जटिल इमारतों का निर्माण करने लगा। गोबेकली टेपे से नयी 'धारणा' यह है कि जटिल सामाजिक व रीति–रिवाज वाली इमारतें उन लोगों ने बनाना शुरू कीं जो कहीं स्थायी तौर पर बसते नहीं थे और न ही उन्होंने कृषि का विकास किया था। वहीं दशकों की खुदाई व शोध के बावजूद अभी तक यह मालूम नहीं हो सका कि गोबेकली टेपे का बुनियादी उद्देश्य क्या था? शोधकर्ताओं ने अनेक पत्थर–चक्र खोजे हैं, जिनमें से अधिकतर पर जंगली जानवरों जैसे शेर, लोमड़ी व सांप की जटिल नक्काशी है। कुछ विशेषज्ञों का तर्क है कि इस साइट का उपयोग कर्मकाण्ड या सामाजिक मिलन के लिए होता था, संभवतरू देवताओं की पूजा करने के लिए या आसमानी घटनाओं का अवलोकन करने के लिए। एक शोधकर्ता का ख्याल है कि लेआउट व नक्काशी खगोलीय समीकरण को प्रतिबिम्बित करती है, इसलिए यह जगह विश्व का पहला कैलेंडर थी।

गोबेकली टेपे की जटिलता व इसका विशाल आकार यह संकेत देता है कि इसका सांस्कृतिक व आध्यात्मिक महत्व होगा। लेकिन यहां जो विशिष्ट कर्मकाण्ड या समारोह होते होंगे, वह अभी तक अस्पष्ट हैं। इसकी आयु से यह प्रश्न भी उठता है कि क्या इसकी भूमिका पौराणिक कथाओं में भी थी क्योंकि कुछ थ्योरी यह भी हैं कि यह बागे–इरम यानी गार्डन ऑफ ईडन था जहां आदम व हव्वा रहते थे। लेकिन इसके ठोस साक्ष्य नहीं है। एक परम्परागत धारणा यह भी है कि स्थायी तौर पर एक जगह बसने वाले मानवों के पास ही विशाल इमारतें बनाने का ज्ञान व संसाधन थे। गोबेकली टेपे की खोज इस सोच को भी चुनौती देती है। गोबेकली टेपे के निर्माता घुमंतू शिकारी थे। प्रश्न यह भी कि इनके समाजों की, सामाजिक संरचना क्या थी? इतनी विशाल इमारत खड़ी करने से यह अंदाजा अवश्य होता है कि उनमें सामाजिक सहयोग, इंजीनियरिंग का ज्ञान और कलात्मक कौशल का अच्छा स्तर था, जो पहले शिकार–एकत्र करने वाले लोगों के संदर्भ में नहीं जोड़ा जाता था। टी–आकार के स्तंभों में से अधिकतर पर विस्तृत नक्काशी है, प्रतीकात्मक चिन्हों की। यह न केवल प्रभावी इंजीनियरिंग है बल्कि कला का अहम कार्य भी। गोबेकली टेपे का आर्किटेक्चरल डिजाइन बताता है कि निर्माताओं को निर्माणकला का अच्छा ज्ञान था , वरना कैसे बिल्डिंग मजबूत–स्थिर रह सकती है।

गोबेकली टेपे का उपयोग रिहायशी स्पेस के तौर पर भी होना संभव है। यह बात ताजा शोधों से सामने आयी है। अगर यह बात सही है तो मानव स्थायी तौरपर एक जगह 10,000 वर्ष पहले नहीं बल्कि उससे भी हजार साल पहले बसना शुरू हुआ। यह भी हो सकता है कि प्राचीन मानव दोनों अस्थायी बस्तियों और उसी जगह पर अनुष्ठानिक प्रथाओं का पालन करता रहा हो, जो उस समय की लचीली सामाजिक व्यवस्था को प्रदर्शित करता है। इ.रि.सें.

पत्नी ने जेई को बीच सड़क वाइपर से पीटा

संवाददाता—गोण्डा। पति–पत्नी और वो का लव ट्रांएगल सामने आया है। पत्नी ने बीच सड़क पर बॉयफ्रेंड के साथ मिलकर जेई पति को दौड़ा–दौड़ाकर वाइपर से पीटा, फिर निर्माणाधीन मकान में रखे नीले ड्रम और सीमेंट की बोरियों को दिखाकर धमकाया। कहा– ज्यादा चूं–चपाट की तो मेरठ के सौरभ की तरह काटकर ड्रम में पैक करवा दूंगी।

जेई ने पुलिस जान की सुरक्षा की गुहार लगाई है। मारपीट का वीडियो शनिवार का बताया जा रहा है। घटना नगर कोतवाली क्षेत्र के डिहवां कस्बे की है। पीड़ित पति जल निगम में जूनियर इंजीनियर है। उसने 9 साल पहले लव मैरिज की थी। उनका कहना है– पत्नी का उसके एक रिश्तेदार से अवैध संबंध है। मैंने इसका विरोध किया तो पत्नी ने बॉयफ्रेंड के साथ मिलकर मेरी पिटाई की।

सपा प्रवक्ता को लॉरेंस बिश्नोई गैंग से मिली धमकी

संवाददाता—बहराइच। कुख्यात अपराधी लॉरेंस बिश्नोई गिरोह से जुड़े होने का दावा करने वाले एक व्यक्ति ने समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय प्रवक्ता तारिक खान को कथित तौर पर फोन पर धमकी दी है। पुलिस ने रविवार को बताया कि दो दिन पहले की गई इस फोन कॉल के सिलसिले में जांच शुरू कर दी गई है। टेलीविजन समाचार चैनलों पर होने वाली बहसों में मुखर होकर समाजवादी पार्टी का बचाव करने के लिए मशहूर तारिक खान के साथ अभद्र भाषा का इस्तेमाल करते हुए कथित बिश्नोई गैंग द्वारा धमकी देने का एक ऑडियो शनिवार शाम से ही सोशल मीडिया पर वायरल है। सपा प्रवक्ता तारिक खान ने रविवार को कहा, लगभग दो महीने से मुझे फोन पर गाली गलौज व धमकियों के फोन आते थे, लेकिन मैं उन्हें नजरअंदाज करता था।

शुक्रवार रात को जो फोन आया उसने मुझसे गाली गलौज की भाषा में बात की, फिर उसने लॉरेंस बिश्नोई गिरोह की बात की। उसने धमकी दी तो मैंने इसे गंभीर मामला समझते हुए अपनी जिम्मेदारी समझकर बहराइच के पुलिस अधीक्षक और अपनी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव को सूचना दी। अब इस बातचीत का ऑडियो कहीं से वायरल हो रहा है। तारिक ने कहा, मैंने एसपी साहब से कहा है कि यह भी हो सकता है कि ये कोई फर्जी आदमी हो, लेकिन फिर भी उसका पकड़ा जाना जरूरी है। मैंने शुक्रवार की बातचीत तथा अपना पुरानी जानकारी पुलिस को उपलब्ध करा दी है। तारिक खान ने बताया कि पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव जी को भी पूरे घटनाक्रम की जानकारी दे दी गयी है, अखिलेश ने उन्हें (तारिक को) आगे की कार्यवाही के लिए मंगलवार को लखनऊ बुलाया है। राष्ट्रीय अध्यक्ष यदि आवश्यकता समझेंगे तो प्रदेश के डीजीपी से मिलकर घटना की जानकारी दी जाएगी।

खुद को लॉरेंस बिश्नोई गिरोह का गुर्गा बताकर सपा प्रवक्ता को धमकी देने वाले का ऑडियो वायरल हो रहा है। वायरल ऑडियो रिकॉर्डिंग में लॉरेंस बिश्नोई गिरोह का कथित गुर्गा अपनी बातचीत की शुरुआत श्नंबर तेरा ना आ जाए, सुधर के रहोश से करता है। बीच–बीच में अभद्र शब्दों व धमकी जैसी टोन में श्सुधर के रहोश, श्शामण थोड़ा सही से दिया करोश, श्नंबर आ जाएगा तेराश, श्करके दिखाना पड़ेगाश, जैसे वाक्य बोलता है। फोन करने वाला कहता है, मैं लॉरेंस बिश्नोई की तरफ से बोल रहा हूं।

बातचीत में जैसे ही तारिक खान कहते हैं, बिश्नोई! ये कौन है, हम नहीं जानते, इस पर बौखलाकर बिश्नोई का कथित साथी बोलता है, ये कौन है, पता चलेगा, रूक दो तीन दिन, बताता हूं– दो तीन दिन में, रूक जा बताता हूं, चल खत्म! इसके साथ ही अभद्र शब्दों के साथ वह फोन बंद कर देता है। इस संबंध में अपर पुलिस अधीक्षक (नगर) रामानंद प्रसाद कुशवाहा ने बताया कि कॉल वास्तव में बिश्नोई गिरोह द्वारा किया गया हो अथवा कोई फर्जी कॉलर हो, लेकिन हमने इसे काफी गंभीरता से लिया है। कॉल करने वाले का नंबर सर्विलांस पर लगाकर उसे ट्रेस किया जा रहा है। उप पुलिस अधीक्षक स्तर के अधिकारी को इस मामले की जांच सौंपी गयी है।

अवैध तरीके से आधार बनाने वाला आरोपी गिरफ्तार

संवाददाता—श्रावस्ती। बिना लाइसेंस के अवैध तरीके से आधार कार्ड बनाने वाले एक आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार किया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से लैपटॉप, फिंगर स्कैनर समेत कई उपकरण बरामद कर जब्त कर लिए। आरोपी के विरुद्ध मामला दर्ज कर जेल भेज दिया गया। हरदत्त नगर गिरंट थाने के थानाध्यक्ष सौरभ सिंह को शुक्रवार को मुखबिर से सूचना मिली थी कि एक व्यक्ति जो बहराइच जिले से आकर हरदत्त नगर गिरंट थाना क्षेत्र के कमला मोड़ गांव हरबंशपुर में बिना लाइसेंस अवैध तरीके से आधार कार्ड बनाता है। सूचना पर थानाध्यक्ष ने रेकी शुरू की। शनिवार को व्यक्ति उपकरण लेकर आधार कार्ड बनाने कमला मोड़ पहुंचा था। इस दौरान थानाध्यक्ष सौरभ सिंह ने टीम के साथ मौके पर पहुंचकर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। जिसकी पहचान रफीवुद्दीन पुत्र इकराम अली निवासी ग्राम नकही थाना रामगांव जनपद बहराइच के रूप में हुई। आरोपी के कब्जे से पुलिस ने एक लैपटॉप, एक फिंगर स्कैनर, एक आयरिस, एक वेब कैमरा बरामद कर जब्त कर लिया। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह अपने साले अयूब खां पुत्र सैलून निवासी कुरवारी माफी, थाना मटेरा बहराइच के बहराइच साथ पीपल तिराहा पर स्थित आर्यावर्त बैंक में आधार बनाता था। एक साल तक काम करने के बाद बैंक की ओर से साले की आईडी बंद कर दी गई।

फंदे पर लटका मिला युवक का शव

संवाददाता—श्रावस्ती। रविवार को एक युवक का शव फंदे पर लटकता मिला। घरवालों ने देखा तो रोना बिलखना शुरू हो गया। पिता ने इसकी सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण करके जानकारी ली। आगे की कार्रवाई की जा रही है।

घटना भिनगा कोतवाली क्षेत्र के कानूनगोपुरा मोहल्ले की है। यहां के निवासी शिव कुमार सिंह उर्फ बब्बन ने बताया कि की पत्नी की मौत हो चुकी है। बड़ी बेटी का विवाह हो चुका है। घर पर उसका बेटा आकाश (19) व दो बेटियां रहती हैं। दूसरा बेटा प्रकाश उर्फ गौधुर ईंट भट्ठे पर रहकर मजदूरी करता है। शिवकुमार ने बताया कि उसकी दोनों बेटियां अपनी बड़ी बहन के घर गई थीं। आकाश रविवार को घर पर अकेला था। वह घर से बाहर था। मोहल्ले के कुछ लड़कों ने आकर बताया कि घर पर आकाश का शव फंदे से लटक रहा है। भागकर पहुंचे तो देखा कि शव छत में लगे कुंडे में साड़ी के फंदे से लटक रहा था। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

5 दिन में गाली–गलौज करने वाले गुर्गे मांगें माफी

संवाददाता—गोण्डा। नगर कोतवाली में कांग्रेस नेता तरुण पटेल के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। यह मामला क्षत्रिय युवा वाहिनी के राष्ट्रीय अध्यक्ष द्वारा राणा सांगा पर दिए गए बयान से जुड़ा है। मुकदमे के बाद तरुण पटेल ने सोशल मीडिया पर लाइव आकर अपनी प्रतिक्रिया दी। तरुण पटेल ने गाली–गलौज करने वालों को 5 दिन के अंदर माफी मांगने की चेतावनी दी है। साथ ही कहा कि माफी नहीं मांगने पर मानहानि का दावा करेंगे। तरुण पटेल ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि जब सीएम राहुल गांधी को नमूना कह सकते हैं, तो वह भी योगी आदित्यनाथ को उत्तर प्रदेश का सबसे बड़ा नमूना कह सकते हैं। कांग्रेस नेता ने जिले के एक नेता पर भी बिना नाम लिए आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि कुछ लोग जिले को अस्थिर कर रहे हैं। पटेल ने चेतावनी देते हुए कहा कि उनकी जमीन है। जब वह बगावत करेंगे, तो हवा में उड़ने वालों की सारी चीजें समाप्त हो जाएंगी। तरुण पटेल ने कुछ नेताओं के अतीत पर भी सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ लोग साइकिल चोरी और बालू चोरी से बड़े हुए हैं। उन्होंने कहा कि नेताजी कहलवाना आसान नहीं होता, इसके लिए सम्मान पाना जरूरी है।

जन्मोत्सव पर चक्रवर्ती सम्राट दशरथ राजमहल प्रारंभ हुई कथा

–संवाददाता–भारतीय बस्ती– अयोध्या। भगवान श्री राम लाल के जन्मोत्सव पर अयोध्या धाम रामकोट में विराजमान चक्रवर्ती सम्राट श्री दशरथ जी का राजमहल में विंदुगाद्याचार्य स्वामी श्री महान्त देवेन्द्रप्रसादाचार्य महाराज के सानिध्य में श्रीमज्जगद्गुरु श्री अर्जुनद्वाराचार्य स्वामी श्री कृपालु रामभूषणदेवाचार्य महाराज के संयोजन में प्रारंभ हुई श्रीमद् भागवत कथा। वृंदावन के भागवत भूषण मानस राजहंस वाल व्यास पुराणाचार्य डॉ. मनोज मोहन शास्त्री महाराज ने शुभारंभ के अवसर पर श्रीमद् भागवत कथा के महत्व को बताया और कहा कि श्रीमद् भागवत कथा अमृत कलश है जो जीव को उसके सभी परिस्थितियों में कल्याण करती है मोक्ष प्रदान करती है। कथा के शुभारंभ पर स्वामी देवेन्द्रप्रसादाचार्य महाराज ने व्यास पीठ की आरती उतारी, व्यास पीठ पर विराजमान डॉ मनोज मोहन का सम्मान किया। इस अवसर पर श्री महाराज जी ने कहा कि चैत्र शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि ऐसी तिथि है जो हमेशा कल्याण करती है और यह पूरा पक्ष कल्याणकारी होता है मधुमास होता है क्योंकि इसी पक्ष में पृथ्वी पर मर्यादा का पाठ पढ़ने वाले हमारे आराध्य प्रभु श्री राम ने

भगवान श्री राम के जन्मोत्सव उल्लास एवं आनंद है –स्वामी देवेन्द्रप्रसादाचार्य

अवतार लिया और जगत का कल्याण किया। भगवान के जन्मोत्सव पर प्रत्येक वर्ष कथा का आयोजन होता है इस वर्ष श्रीमद् भागवत कथा की अमृत वर्षा हो रही है, जिसका श्रवण कर सभी भक्तों का कल्याण होगा। पूरी अयोध्या में उत्साह और उल्लास का वातावरण है क्योंकि प्रभु श्री राम अपने जन्म स्थान पर विराजमान हो गए हैं यह दूसरा जन्मोत्सव होगा। जगतगुरु स्वामी रामभूषणदेवाचार्य महाराज ने कथा के शुभारंभ में पधारे हुए सभी अतिथियों का स्वागत सम्मान किया और बताया कि श्री दशरथ महल में प्रत्येक वर्ष जन्मोत्सव पर कथा का आयोजन होता है इसी क्रम में इस वर्ष श्रीमद् भागवत कथा 30 मार्च से 5 अप्रैल तक होगी और 6 अप्रैल को भगवान के जन्म की कथा होगी। उन्होंने बताया कि मंदिर में नमः पारायण प्रारंभ हो गया है शाम को बधाई गण होता है, और बाल्मीकि रामायण का भी पारायण हो रहा है। 6 अप्रैल को नवमी के दिन भाव जन्मोत्सव मनाया जाएगा। कथा प्रतिदिन साइन 4 बजे से 7 बजे तक होगी। इस अवसर पर रंग महल पीठाधीश्वर महंत राम शरण दास,रामायणी महंत राम शरण दास, महंत रामकृष्ण दास रामायणी,सुदामा दास , संत दास सहित सैकड़ो लोग सम्मिलित हुए।

एनसीसी बी सर्टिफिकेट परीक्षा में 514 कैडेट हुए शामिल

संवाददाता—बलरामपुर। 51वीं यूपी बटालियन एनसीसी से जुड़े कॉलेजों के कैडेट्स की बी सर्टिफिकेट परीक्षा रविवार को एमएलके पीजी कॉलेज में संपन्न हुई। परीक्षा में 514 कैडेट्स शामिल हुए, जबकि 24 कैडेट्स अनुपस्थित रहे। परीक्षा के सफल संचालन के लिए एक बोर्ड का गठन किया गया। गोरखपुर ग्रुप मुख्यालय के डिप्टी कमांडर कर्नल विशाल दुबे पीठासीन अधिकारी थे। बोर्ड में 49वीं यूपी बटालियन एनसीसी देवरिया के लेफ्टिनेंट कर्नल तेज बहादुर थापा, एमएलके पीजी कॉलेज के एसोसिएट एनसीसी ऑफिसर लेफ्टिनेंट डॉ. देवेन्द्र कुमार चौहान और बालिका इंटर कॉलेज की एसोसिएट एनसीसी ऑफिसर मेजर वन्दना पाण्डेय शामिल थीं। परीक्षा की मॉनिटरिंग सीसीटीवी से की गई। ग्रुप मुख्यालय ने लाइव प्रसारण के जरिए निगरानी की। कुल पंजीकृत 397 बॉयज और 141 गर्ल्स कैडेट्स में से 378 बॉयज और 136 गर्ल्स कैडेट्स उपस्थित रहे। 30 मार्च को सुबह लिखित परीक्षा हुई। दूसरी पाली में बलरामपुर शहर से बाहर के कैडेट्स की प्रयोगात्मक परीक्षा ली गई। इससे पहले 29 मार्च को बलरामपुर शहर के कॉलेज के कैडेट्स की प्रयोगात्मक परीक्षा हुई थी। दो दिन चली इस परीक्षा में बलरामपुर, गोंडा, बहराइच और श्रावस्ती जिले के कॉलेज के कैडेट्स ने हिस्सा लिया।

काउंटर फांदकर दुकान में घुसे लोगों ने युवक को पीटा, तोड़फोड़

संवाददाता—महराजगंज। पनियरा कस्बे में ब्लाक के सामने रविवार दोपहर उस समय अफरा–तफरी मच गई, जब कुछ लोग केयर प्लस फार्मा एंड क्लीनिक नामक दुकान में फिल्मी अंदाज में घुस गए। दुकान में मौजूद युवक को बुरी तरह मारा–पीटा और तोड़फोड़ी। इस दौरान लोगों की भीड़ भी जुट गई, लेकिन कोई बीच–बचाव करने के लिए आगे नहीं बढ़ा। इस घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। दुकान मालिक ने मामले की तहरीर थाने पर दी है और पुलिस ने इसकी जांच शुरू कर दी है। पनियरा कस्बे के ब्लाक के सामने इमामुद्दीन की दुकान है। इमामुद्दीन के अनुसार रविवार को वह दुकान पर अपने भतीजे को बिठा कर किसी काम से बाहर निकला था। इसी बीच मौका देखकर एक दर्जन से अधिक लोग दुकान में गाली–गलौज करते हुए घुस आये और तोड़फोड़ करते हुए उसके भतीजे को बुरी तरह से मारपीट कर घायल कर दिया। वायरल वीडियो में दिख रहा है कि लोग काउंटर फांदकर दुकान में घुसे। दुकानदार के अनुसार यह पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। घटना देख मौके पर काफी संख्या में लोग इकट्ठा हो गए, लेकिन हमलावर तोड़फोड़ व पिटाई करने के बाद आराम से निकल गए। निर्भय कुमार सिंह, प्रभारी निरीक्षक ने कहाकि दुकान में घुसकर मारपीट करने की तहरीर मिली है। मामले की जांच की जा रही है। इसमें जरूरी कार्रवाई होगी।

दोस्तों मुझे माफ करना मैं आत्महत्या करने जा रहा हूं, युवक ने लाइव वीडियो में दी धमकी, पुलिस पर लगाए प्रताड़ना के आरोप

संवाददाता—बलरामपुर। सादुल्लाह नगर में अशोक कुमार पाल ने फेसबुक पर लाइव आकर आत्महत्या करने की बात कही है। उन्होंने दोपहर करीब 3 बजे कुल 6 वीडियो अपलोड किए। अशोक ने वीडियो में कहा कि वह आत्महत्या करने जा रहे हैं। इसकी जिम्मेदारी थाना सादुल्ला नगर के एसएचओ मनोज कुमार सिंह और एक हल्का सिपाही की होगी। उन्होंने आरोप लगाया कि एसएचओ ने उन्हें और उनके परिवार को अभद्र गालियां दीं। साथ ही पत्रकारिता जगत का भी अपमान किया।

युवक ने बताया कि एसएचओ ने उनके परिवार के खिलाफ एकतरफा मुकदमा दर्ज किया है। जबकि दोनों पक्षों से प्रार्थना पत्र दिया गया था। उन्होंने आरोप लगाया कि पुलिस ने उन्हें मारा–पीटा और धमकी दी। एसएचओ ने कहा कि उन्हें हिस्ट्री शीटर बना देंगे और आरिफ अनवर हाशमी के साथ जेल भेज देंगे।

युवक का कहना है कि उसको और उसके परिवार को कुछ लोगों ने घसीट घसीट कर मारा पीटा था। जिसको लेकर उसने थाने पर 28 मार्च को तहरीर दिया था। थाने पर तहरीर दोनों पक्षों के द्वारा दिया गया था लेकिन थाना प्रभारी द्वारा एक तरफ मुकदमा लिख दिया गया।

युवक का कहना है कि हमको और हमारे परिवार को फंसाने की कोशिश की गई है मनोज कुमार सिंह हमेशा कहते रहते हैं। कि तुम्हारे ऊपर में छेड़खानी लिख दूंगा। तुम्हें गैंगस्टर बन कर तुम्हारा मुठभेड़ में एनकाउंटर कर दूंगा।

हमेशा यह मुझे मेंटली डिस्टर्ब करते रहे हैं। युवक का कहना है कि मामले को लेकर सुलहनामा हो चुका है लेकिन हमारा मोबाइल छीन कर सबूत डिलीट करके मुकदमा लिखवा दिए इसीलिए मैं आत्महत्या करने जा रहा हूं। युवक का कहना है कि अब हमारे सामने कोई चारा नहीं है आत्महत्या करने के अलावा।

वीडियो सामने आने के बाद कई लोगों ने कमेंट कर युवक से आत्महत्या न करने की अपील की है। स्थानीय लोग मामले में उचित कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। मामले को लेकर क्षेत्राधिकार उतरौला राघवेंद्र सिंह का कहना है कि मामला संज्ञान में आया है जांच कराकर उचित कार्रवाई की जाएगी।

मंदिर के महंत को नकाबपोश बदमाशों ने बंधक बनाकर पीटा, दान पेटी से रुपए लूटे, 4 हिरासत में

संवाददाता—कुशीनगर। नवरात्रि से पहले एक मंदिर के महंत पर हथियारबंद बदमाशों ने हमला कर दिया। नेबुआ नौरंगिया थाना क्षेत्र के कुंवरवरती माई मंदिर दुबौली में यह वारदात हुई। शनिवार की देर रात बंदूक और तलवार से लैस 6 नकाबपोश बदमाश मंदिर में घुसे। मंदिर के महंत जटाधारी रामलखनदास त्यागी अपने कमरे में सो रहे थे। बदमाशों ने फाटक तोड़ने की आवाज से महंत की नींद खुली और उन्होंने फाटक खोल दिया।

बदमाशों ने महंत पर बंदूक के बट से हमला किया। उन्हें घसीटकर मंदिर से पांच मीटर दूर केले के खेत में ले गए। बदमाशों ने महंत का हाथ बांधकर पिटाई की और उनकी जटा भी उखाड़ ली। इसके बाद मंदिर की दान पेटी तोड़कर रुपए लूट लिए।

महंत ने किसी तरह गांव पहुंचकर लोगों को घटना की जानकारी दी। हिंदू नेताओं ने एसपी को सूचित किया। पुलिस ने चार संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। घायल महंत को सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया। इलाज के बाद वे मंदिर लौट गए हैं और उनकी हालत सामान्य है। पुलिस ने प्रेस नोट जारी कर बताया कि घटना की रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। मामले में चार लोगों को हिरासत में लिया गया है और आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। इस घटना से क्षेत्र के लोगों में आक्रोश है।

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
मूल वाद सं. 350/2024
अदालत– श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) सदर महोदय अयोध्या
बृजेश रावत
बनाम
परशुराम आदि
बनाम–1–परशुराम 2– मस्तराम पुत्रगण स्व0 पंचम निवासीगण सिरसिण्डा परगना हवेली अवध तहसील सदर जिला– अयोध्या
तारीख पेशी 17–04–2025

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 17 माह 04 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालात से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालात का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजवीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जवाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसब्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 25 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

नवरात्र के पहले दिन देवी मंदिरों में उमड़ी भक्तों की भारी भीड़

संवाददाता—महराजगंज। नवरात्र के पहले दिन जिले के देवी मंदिरों में भक्तों की भारी भीड़ देखने को मिली। सुबह से ही महिलाएं माता शैलपुत्री का पूजन–अर्चन कर परिवार की मंगलकामना करने में जुटी रहीं। शहर से लेकर गांवों तक देवी भक्ति की लहर में श्रद्धालु सराबोर रहे। शहर के दुर्गा मंदिर में भोर से ही से ही श्रद्धालुओं का आना–जाना शुरू हो गया। मंदिर के मुख्य गेट के सामने का दृश्य मेले जैसा रहा। लेहड़ा देवी मंदिर में माता के दर्शनार्थ पूजन सामग्री लेकर महिला व पुरुष श्रद्धालुओं की लंबी लाइन लगी रही। दर्शनार्थियों की सुरक्षा के लिहाज से भारी संख्या में पुलिस बल तैनात रही।

इसके अलावा महराजगंज की दुर्गा माता मंदिर, नौतनवा की बनैलिया माता मंदिर, निचलौल की कुड़िया देवी मंदिर पर भी माता के दर्शनार्थ पूरे दिन श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा।

नेपाल के रास्ते भारत में घुसपैठ की फिराक में बांग्लादेशी, पर्यटक वीजा से दाखिल होने की साजिश

संवाददाता—महराजगंज। राजनीतिक उथल–पुथल। अस्थिरता की आशंका। राजावादी बनाम सत्ताधारी दल की कशमकश नेपाल इस समय दोराहे पर है। यह बदलाव भारत–नेपाल सीमा पर भी दिखता है, लेकिन बदले रूप में। यहां की कहानी अलग है। राजनीतिक सरगर्मी के बीच बांग्लादेशी टूरिस्ट वीजा पर नेपाल पहुंचकर भारत में घुसपैठ की कोशिश में हैं। मधेश से लेकर उत्तराखंड तक इनकी गतिविधियों को संदिग्ध मानते हुए सीमा पर अलर्ट भी किया गया है। एसएसबी ने चौकसी बढ़ाई है। नवलपरासी जिले के सुरेंद्र महतो कहते हैं कि देश आंतरिक मसले में उलझा है। इसका फायदा बांग्लादेशी उठा रहे हैं। हाल के दिनों में सीमावर्ती क्षेत्र में होने वाली गतिविधियां ठीक नहीं लग रही हैं।

उत्तर प्रदेश के महराजगंज, सिद्धार्थनगर, बलरामपुर, बहराइच, श्रावस्ती, पीलीभीत व लखीमपुर खीरी से सटे नेपाली क्षेत्र में भी संदिग्ध गतिविधियां बढ़ी हैं। इस पर उत्तर प्रदेश से लगते नेपाल के बांके, नेपालगंज, रूपन्देही, बेलहिया, रौतहट, गौर व लुंबिनी पहुंचे। कद–काठी और बोली भी स्थानीय लोगों से मिलने के कारण खुली सीमा का लाभ उठाकर बांग्लादेशियों के भारतीय क्षेत्र में मजदूरी के बहाने आने–जाने का पता चला। रूपन्देही के संतोष तमांग कहते हैं कि अभी तक हम सुरक्षा को लेकर आश्वस्त थे, लेकिन सीमावर्ती क्षेत्र में रोहिंग्या के साथ बांग्लादेशी भी सक्रिय हैं। ये सभी नेपाल में अस्थिरता का लाभ उठाने की कोशिश में हैं। इन्हें रोकना होगा। नेपाल के साथ भारत को भी पहल करनी होगी।

हिन्दू स्वयंसेवक संघ (नेपाल में आरएसएस) के रंजीत साह बताते हैं कि पहले सीमावर्ती जिलों में मुस्लिम आबादी बहुत कम थी, लेकिन पिछले 10 वर्षों में घुसपैठ के कारण इनकी संख्या करीब 400 फीसदी बढ़ी है। नेपाल की नागरिकता का दुरुपयोग सबसे ज्यादा यहीं पर दिखता है। इसके सीमावर्ती क्षेत्रों में जनसांख्यिकी बदलाव भी हुआ है। नेपाल के युवा खाड़ी देशों के साथ ही भारत में रोजगार की तलाश में आ रहे हैं। वहीं, बांग्लादेश व रोहिंग्या नेपाल में ही पैर जमा रहे हैं। अभी मकान, प्लंबर, पेंटिंग, इलेक्ट्रीशियन, नाई और बाइक मरम्मत का भी काम इन्होंने संभाल लिया है।

नेपाल पुलिस की इंटेलिजेंस शाखा ने सरकार को सौंपी रिपोर्ट में रोहिंग्या और बांग्लादेशियों को नेपाली नागरिकता दिलाने का भी खुलासा किया है। मुख्य रूप से ये पश्चिम बंगाल से जुड़े नेपाल के पूर्वी हिस्से काकरभिट्टा सीमा से प्रवेश कर रहे हैं। रिपोर्ट में नेपाल के इस्लामी संघ पर घुसपैठियों को नागरिकता दिलाने में मुख्य भूमिका निभाने का आरोप है। यह संगठन बांग्लादेशी नागरिकों के परिवार के सदस्यों के रूप में गलत तरीके से सत्यापित करता है, जिन्होंने पहले ही नेपाली नागरिकता हासिल कर ली है। नेपाल के पूर्व गृह राज्यमंत्री देवेंद्र राज कंडेल ने बताया कि यह सही है कि नेपाल में राजनीतिक उथल–पुथल है, लेकिन सीमा की सुरक्षा के प्रति सरकार सतर्क है। घुसपैठ के खिलाफ हम समय–समय पर कार्रवाई करते रहे हैं।

दहेज में बाइक न मिलने पर विवाहिता की हत्या, पति समेत 4 लोगों मुकदमा

संवाददाता—बहराइच। कैसरगंज में दहेज की मांग पूरी न होने पर एक नवविवाहिता की कथित तौर पर हत्या कर दी गई। मृतका की पहचान फातमा (20) के रूप में हुई है। उसकी शादी एक साल पहले गोड़ियनपुरवा गांव के अजमत अली से हुई थी।

मृतका के भाई ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि शादी के बाद से ससुराल वाले दहेज में बाइक की मांग कर फातमा को परेशान करते थे। शनिवार को उन्होंने बेटी की हत्या कर दी। हत्या को आत्महत्या का रूप देने के लिए शव को फंदे से लटका दिया।

कैसरगंज थाना प्रभारी के अनुसार, मृतका के परिजनों की शिकायत पर पति अजमत समेत चार लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मामले की जांच जारी है।

धारदार हथियार से गला रेतकर मां–बेटी की हत्या, घर में अकेले सोए थे दोनों

संवाददाता–गोरखपुर। शनिवार की देर रात गोरखपुर के चौरीचौरा थानाक्षेत्र के शिवपुर चकदहा गांव में घर में सो रही मां और उसकी नाबालिग बेटी की धारदार हथियार से काटकर हत्या कर दी गई। जानकारी के मुताबिक मृतका पूनम के पति रवींद्र निषाद की मौत हो चुकी है। वह अपनी दो बेटियों खुशबू, और अनुष्का के साथ गांव के बाहर बने घर में रहती है जबकि उसका बेटा विशाल कहीं बाहर रहता है।

शनिवार रात पूनम अपनी छोटी बेटी अनुष्का के साथ घर में अंदर के बरामदे में सोई थी। जबकि खुशबू बगल के कमरे में सो रही थी। पुलिस के अनुसार देर रात लगभग दो बजे के लगभग कुछ लोग घर के पीछे से अंदर घुसे और दरवाजा तोड़कर धारदार हथियार से मां ,बेटी पर हमला कर हत्या कर दी। बेटी अनुष्का ने इलाज के दौरान मेडिकल कालेज में दम तोड़ दिया। जबकि बगल के कमरे में सो रही बड़ी खूशबू ने शोर सुनकर डर की वजह से कमरे का दरवाजा बंद कर लिया और वहीं से शोर मचाकर गांव वालों को बुलाया। ग्रामीणों के पहुंचने के बाद हत्यारे भाग निकले।

सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने पूनम के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। कमरे में चारो ओर खून फैला है। बिस्तर पर सोते समय ही हमला किया गया है। अनुष्का घायल अवस्था में मिली थी। उसे इलाज के लिए मेडिकल कालेज भेजा गया, जहां उसकी मौत हो गई। पुलिस ने इस मामले में पूछताछ के लिए हिरासत में लिया है। बड़ी बेटी खुशबू से भी पुलिस ने पूछताछ की है। हत्या की एकमात्र चश्मदीद गवाह बड़ी बेटी खुशबू से भी पुलिस ने पूछताछ की है।

सूत्रों के मुताबिक गांव के ही एक 30 वर्षीय युवक से पूनम का कुछ महीने पहले विवाद हुआ था। उसे भी पुलिस ने पूछताछ के लिए उठाया था। युवक का महिला के साथ नजदीकी संबंध की भी चर्चा है । पुलिस पूनम के मोबाइल की काल डिटेल भी खंगाल रही है। प्रारंभिक जांच में इसी युवक पर हत्या का संदेह जताया जा रहा है।

एसपी नार्थ जितेंद्र श्रीवास्तव ने बताया कि कुछ लोगों से पूछताछ की जा रही है। शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। मैने घटना स्थल का निरीक्षण किया है। फॉरेंसिक टीम ने कई अहम साक्ष्य एकत्र किए हैं। सर्विलांस और सीसी कैमरा फुटेज की मदद से जांच जारी है। पुलिस ने कई लोगों को हिरासत लिया है।

धारदार हथियार से 18 बार प्रहार कर ऑटों चालक की हुई थी निर्मम हत्या

संवाददाता–संतकबीरनगर। धारदार हथियार से 18 बार प्रहार करके ऑटो चालक की निर्मम तरीके से हत्या की गई थी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट की यह स्थिति हत्यारों की क्रूरता की कहानी बयां कर रही है। शव की विभत्सता देखकर आस–पास के लोग दहल उठे थे। इस मामले की जांच में जुटी पुलिस की चार टीमें पर्दाफाश की ओर कदम बढ़ा रही है। उम्मीद है कि जल्द ही कातिलों के गिरेबान पर पुलिस का हाथ होगा। कोतवाली खलीलाबाद क्षेत्र के टेमा रहमत के रहने वाले ऑटो चालक 21 वर्षीय हेदायतुल्ला पुत्र लायकुल्लाह की हत्या कर फेंकी गई लाश 26 मार्च को बेलहर कला क्षेत्र के अमरडोभा के सीवान में मिली थी। पीड़ित पिता ने 27 मार्च को शव की शिनाख्त की थी। उसके बाद पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में धारदार हथियार से 18 बार प्रहार करके ऑटो चालक हेदायतुल्ला की हत्या किए जाने की बात सामने आई है। वैसे भी शव की विभत्सता को देखने वाले काप उठे थे। पीड़ित पिता की तहरीर पर पुलिस अज्ञात के खिलाफ हत्या कर शव छिपाने का केस दर्ज की थी। एसपी ने मामले के पर्दाफाश के लिए चार टीमें लगाई है। वैसे ऑटो चालक हेदायतुल्लाह 25 मार्च की शाम करीब पांच बजे घर से बाइक से किसी दोस्त के जन्म दिन में शामिल होने की बात कह कर निकला था और अगले दिन बेलहर क्षेत्र में उसकी लाश मिली थी। पुलिस से जुड़ सूत्रों की माने तो जांच में बीटीएस से कुछ संदिग्ध नंबर भी मिले है। जिसकी जांच पड़ताल पुलिस कर रही है। हेदायतुल्लाह ऑटो चलाने के साथ ही मैकेनिकक भी था। इसके अलावा यूट्बूबर भी था। जिसकी वजह से उसकी जान–पहचान काफी लोगों से बढ़ गई थी। घटनाक्रम और मौके वारदात की स्थिति से पुलिस को करीबियों पर हत्या करने का शक गहरा गया है। सीओ सर्व दवन सिंह के मुताबिक पुलिस को घटना से जुड़े कुछ अहम सुराग मिले है। जिससे उम्मीद जताई जा रही है कि जल्द ही पुलिस की पकड़ में कातिल होगें। एसपी सत्यजीत गुप्ता ने कहा, पोस्टमार्टम रिपोर्ट में धारदार हथियार से 18 चोटे पहुंचाई गई हैं। मामले के पर्दाफाश के लिए चार टीमें लगाई गई है। हत्या से जुड़े हर पहलुओं पर पुलिस काम कर रही है। घटना का अतिशीघ्र खुलासा हो सकता है। ऑटो चालक हेदायतुल्लाह परिवार का कमाऊ सदस्य था। बड़े बेटे की हत्या से परिवार को गहरा आघात पहुंचा है। ईद का पर्व सन्निकट है। मां–बाप,भाई–बहनों को हेदायतुल्लाह से काफी उम्मीदें थी। उसकी मौत से ईद के महत्वपूर्ण त्योहार की खुशिया छिन गईं।

लखनऊ से मऊ शव ले जा रही एंबुलेंस व ट्रेलर की गोरखपुर में टक्कर, दो की मौत, सात घायल

संवाददाता–गोरखपुर। एंबुलेंस व ट्रेलर की टक्कर में मऊ के दो लोगों की मौत हो गई और सात घायल हो गए। मरने वाले युवक लखनऊ से एंबुलेंस से चाचा का मृत शरीर लेकर मऊ जा रहे थे। हादसा गोरखपुर के बड़हलगंज में हुआ। भीषण सड़क हादसे में दो लोगों की जान चली गई। घटना बड़हलगंज क्षेत्र गायघाट गांव के सामने रविवार की सुबह हुई। रामजानकी मार्ग पर एंबुलेंस व ट्रेलर की टक्कर में एंबुलेंस में सवार 02 व्यक्तियों की मौके पर ही मौत हो गई जबकि 07 लोग बुरी तरह घायल हो गये। गंभीर रूप से घायल 22 वर्षीय स्वाति को चिकित्सकों ने जिला अस्पताल रेफर कर दिया। जानकारी के अनुसार मऊ जनपद के मधुबन कस्बे के सत्येंद्र प्रसाद के पिता 75 वर्षीय जगलाल प्रसाद की लखनऊ में इलाज के दौरान मौत हो गई थी। परिजन एंबुलेंस से उनका मृत शरीर लेकर लखनऊ से बड़हलगंज होकर मधुबन जा रहे थे। एंबुलेंस में नौ लोग सवार थे। रविवार की सुबह एंबुलेंस बड़हलगंज क्षेत्र के गायघाट गांव के पास पहुंची थी कि तभी बड़हलगंज की तरफ से जा रहे ट्रेलर की टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि एंबुलेंस बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। टक्कर के बाद चीखद्ध–पुकार मच गई। घटनास्थल की तरफ ग्रामीण दौड़ पड़े। घायलों को एंबुलेंस से बाहर निकाला गया। मौके पर ही 40 वर्षीय लालबहादुर व 55 वर्षीय श्रीमती तारा देवी पत्नी इन्द्रदेव की मौत हो चुकी थी। जब कि सत्येंद्र प्रसाद (40), लक्ष्मी देवी पत्नी सत्येंद्र प्रसाद (38), स्वाति पुत्री सत्येंद्र प्रसाद (22), शौर्य पुत्र सत्येंद्र प्रसाद (8), सात्विक पुत्री सत्येंद्र प्रसाद (10), अनीता राय पत्नी विनोद राय (44) व बाराबंकी निवासी चालक जहांगीर (30) बुरी तरह घायल हो गये। सभी घायलों को बड़हलगंज स्थित दुर्गावती हास्पिटल लाया गया। जहां चिकित्सक ने स्वाति की स्थिति गंभीर बताते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया। दुर्घटना में मृत लालबहादुर पशुपालन विभाग में अधिकारी के पद पर तैनात थे। मृतक जगलाल प्रसाद के भतिजे थे। घटना की सूचना के बाद एसडीएम प्रशांत वर्मा, सीओ मनोज कुमार व नायब तहसीलदार जयप्रकाश ने अस्पताल पहुंच कर घायलों से पूछताछ कर उनके इलाज की जानकारी ली।

रामनवमी पर सूर्य की किरणें करेंगी रामलला का अभिषेक, वैज्ञानिकों ने किया ट्रायल

संवाददाता–अयोध्या। रामजन्मभूमि परिसर में सूर्य तिलक का ट्रायल हुआ। इसरो के वैज्ञानिक छह अप्रैल को सूर्य की किरण भगवान के मस्तक पर लाने के लिए व्यवस्था कर रहे हैं। बीते वर्ष अस्थायी तौर पर रामलला का सूर्य तिलक हुआ था। अब स्थायी तौर पर वैज्ञानिक मंदिर का निर्माण पूरा होने पर सूर्य तिलक की व्यवस्था कर रहे हैं।

रामलला के जन्मोत्सव के मौके पर भगवान के मस्तक का सूर्य अभिषेक होगा। वैज्ञानिकों ने एक मिनट का ट्रायल किया है। इस दौरान सफलतापूर्वक सूर्य की किरणें रामलला का सूर्य अभिषेक करती नजर आईं। रामनवमी को चार मिनट तक भगवान सूर्य रामलला के मस्तक पर तिलक करेंगे। हिंदू नववर्ष की पूर्व संध्या पर जहां अयोध्या में विभिन्न मंदिरों से झांकी निकाल कर संत, महंत और भक्तों ने रामकोट की परिक्रमा की तो वहीं हिंदू नववर्ष के पहले सूर्योदय पर वैदिक ब्राह्मण और संतों ने नमन किया। रामनगरी में रविवार को नववर्ष के उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देकर आरती उतार कर स्वागत किया गया। इसमें सैकड़ों की संख्या में मातृशक्ति, वैदिक बटुक और आरएसएस के कार्यकर्ता शामिल रहे। नववर्ष संवत 2082 के स्वागत में महापौर महंत गिरीश पति त्रिपाठी के नेतृत्व में सैकड़ों लोगों ने सरयू के तट पर सरयू जल से अर्घ्य देकर उदीयमान सूर्य की आरती उतारी। नववर्ष के स्वागत के दौरान वैदिक मंत्रोच्चार के बीच सरयू के सुरम्य तट पर खूबसूरत नजारा रहा।

गोरक्षनाथ स्कूल का दौरा कर सकते हैं सीएम योगी

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। सिद्धार्थनगर में गुरु गोरक्षनाथ ज्ञानस्थली स्कूल डुमरियागंज में संभावित कार्यक्रम को लेकर प्रशासन सक्रिय हो गया है। जिलाधिकारी डॉक्टर राजा गणपति आर और पुलिस अधीक्षक डॉक्टर अभिषेक महाजन ने पूर्व विधायक राघवेंद्र प्रताप सिंह के साथ स्कूल का दौरा किया।

अधिकारियों ने कार्यक्रम स्थल और हेलीपैड की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। जिलाधिकारी ने लोक निर्माण विभाग बांसी के अधिशासी अभियंता को हेलीपैड निर्माण में तेजी लाने के निर्देश दिए। वीआईपी वाहनों की पार्किंग के लिए अलग से स्थान चिह्नित किया गया है। पार्किंग स्थल पर बैरिकेडिंग की व्यवस्था की जाएगी।

डीएम ने उपजिलाधिकारी डुमरियागंज सजीव दीक्षित और क्षेत्राधिकारी को सभी तैयारियां समय से पूरी करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान अपर जिलाधिकारी गौरव श्रीवास्तव, अपर पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ और अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

माफिया के भाई के इशारे पर प्रापर्टी डीलर के घर चली गोली, पुलिस ने किया खुलासा

संवाददाता–गोरखपुर। शाहपुर में प्रापर्टी डीलर के घर चढ़कर गोली चलाने के मुख्य आरोपित गौरव पांडेय ने पुलिस कस्टडी रिमांड में बड़ा पर्दाफाश किया है। शनिवार को शाहपुर थाने में सात घंटे चली पूछताछ के दौरान गौरव ने बताया कि उसने माफिया विनोद उपाध्याय के भाई संजय उपाध्याय के कहने पर फायरिंग की थी। घटना में इस्तेमाल बाइक और मोबाइल फोन संजय उपाध्याय के पास है। पुलिस ने अब संजय की तलाश तेज कर दी है। पुलिस के मुताबिक, घटना के बाद ही संजय उपाध्याय और अन्य आरोपितों पर रंगदारी और गोली चलाने का केस दर्ज किया गया था। पहले भी संजय को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई, लेकिन साक्ष्य के अभाव में छोड़ दिया गया। अब गौरव के बयान के बाद संजय की भूमिका पर फिर से जांच शुरू कर दी गई है। पूर्व में भी संजय उपाध्याय की भूमिका कई आपराधिक घटना में सामने आई थी। बसपा सरकार में कौवा बाग चौकी में चढ़कर पुलिसकर्मियों से विवाद करने पर संजय और विनोद उपाध्याय विरुद्ध मुकदमा दर्ज हुआ था। इसके बाद बसपा ने विनोद को पार्टी से निष्कासित कर दिया था।

पुलिस को लगातार चकमा देने वाले गौरव पांडेय ने दीवानी न्यायालय में आत्मसमर्पण कर दिया था। पुलिस उसकी तलाश में लगातार दबिश देती रही, लेकिन वह फरार रहा। गौरव लंबे समय तक विनोद उपाध्याय के साथ ही रहता था।

18 फरवरी को आरोपित के साथी अंकित पासवान ने श्रीरामपुरम कालोनी में रहने वाले प्रापर्टी डीलर अंकु शुक्ल को डराने के लिए खुद को माफिया विनोद उपाध्याय का भाई बताकर एक करोड़ रुपये की रंगदारी मांगी। 19 फरवरी को जावेद नामक व्यक्ति को फोन कर धमकी दी। जब बात नहीं बनी, तो 23 फरवरी को अंबिका पासवान और गौरव पांडेय ने अंकु शुक्ल के घर जाकर फायरिंग करने की कोशिश की, लेकिन सफल नहीं हो सके। न्यायालय की अनुमति पर गौरव पांडेय को कस्टडी रिमांड पर लेकर पूछताछ की गई जिसमें कई अहम सुराग मिले।संजय उपाध्याय के भूमिका की दोबारा जांच की जा रही है। इसके अलावा जिन लोगों ने गौरव को शरण दी, उन पर भी सख्त कार्रवाई होगी। – अभिनव त्यागी, एसपी सिटी इसके बाद 24 फरवरी को दोनों फिर से एक बाइक पर सवार होकर अंकु शुक्ल के घर पहुंचे। अंबिका ने उनकी कार पर गोलियां बरसाईं और मौके से फरार हो गए। पुलिस और एसओजी की संयुक्त टीम ने पांच मार्च को कार्रवाई करते हुए चरगांवा में रहने वाले अंकित पासवान उर्फ मंटू, अंबिका पासवान, गुलरिहा के रामपुर बुजुर्ग में रहने वाले नितिन मिश्रा, चिलुआताल के करीमनगर पोखर भिंडा में रहने वाले साहिल अली और गुलरिहा के सेमरा नंबर दो निवासी शुभम श्रीवास्तव को गिरफ्तार कर जेल भेजा था।इनके पास से दो अवैध पिस्टल, दो जिंदा कारतूस, दो बोलेरो और एक बाइक बरामद की गई।

बेरोजगार युवक को थमा दिया फर्जी नियुक्त पत्र, ठग लिए 30 लाख रुपये, जालसाज महिला गिरफ्तार

संवाददाता–गोरखपुर। सरदारनगर चौरीचौरा पुलिस ने शनिवार दोपहर में रेलवे व एफसीआई (भारतीय खाद्य निगम) में नौकरी दिलाने के नाम पर फर्जी नियुक्ति पत्र देकर 30 लाख रुपये की ठगी करने की आरोपी महिला को उसके घर से गिरफ्तार कर लिया।

उसे न्यायालय में प्रस्तुत करने के बाद जेल भिजवा दिया। पुलिस मामले में नामजद अन्य चार आरोपियों की गिरफ्तारी में जुटी हुई है। चौरीचौरा थानाक्षेत्र के भौवापार सरिता चौहान ने विगत दिनों एसएसपी गौरव ग्रोवर को प्रार्थना पत्र देकर महिला सहित पांच लोगों पर धोखाधड़ी व धमकी देने का केस दर्ज कराया था।

सरिता चौहान ने बताया कि जान पहचान के खजनी निवासी शैलेंद्र कुमार के माध्यम से शाहपुर के जंगल हकीम नंबर दो निवासी सरकारी शिक्षक राकेश कुमार पाठक से मुलाकात हुई। इसके बाद राकेश ने एफसीआई में नौकरी दिलाने के नाम पर अपने बैंक खातों में रुपये भेजने की डिमांड की।

उसने अपनी पत्नी ममता देवी के भी खाते में रुपये मांगे। इसी तरह पति सहित अन्य युवकों को नौकरी के नाम पर करीब 30 लाख रुपये ले लिए। इसके बाद फर्जी नियुक्ति पत्र दे दिया। ठगी की जब जानकारी हुई तो रुपये वापस मांगने पर राकेश कुमार पाठक, मिथिलेश, ममता देवी तथा मनोज कुमार सिंह ने फर्जी केस में फंसाने की धमकी दी।

इधर, पुलिस अन्य आरोपी राकेश कुमार पाठक, मिथिलेश कुमार, मनोज कुमार सिंह व सम्राट उर्फ विनोद की गिरफ्तारी में जुटी हुई है। इस संबंध में राहुल शुक्ल ने बताया कि आरोपी महिला को घर से गिरफ्तार कर जेल भिजवा दिया गया है। अन्य आरोपियों की तलाश चल रही है।

राप्ती तट से निकाली कलश यात्रा

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। विकास क्षेत्र भनवापुर के सोहना में मां दुर्गा प्राण प्रतिष्ठा का आयोजन शुरू हो गया है। यज्ञाचार्य पंडित राकेश तिवारी के नेतृत्व में कलश यात्रा निकाली गई। यात्रा मां दुर्गा मंदिर से शुरू हुई। कलश में जल भरने के लिए यात्रा गाजे–बाजे के साथ नकथर देवरिया, बुढ़ऊ, सुकालाजोत, भनवापुर और बदलियां होते हुए राप्ती तट तक पहुंची। वहां वैदिक मंत्रोच्चार के साथ जल भरा गया। फिर कलश को वापस मंदिर में स्थापित किया गया। आयोजक चिंकू गुप्ता ने बताया कि पांच दिनों तक रोज शाम 7 बजे से 10 बजे तक कथा का आयोजन होगा। कार्यक्रम की रूपरेखा के अनुसार, सोमवार को मंडप पूजन होगा। मंगलवार को भव्य शोभा यात्रा निकाली जाएगी। बुधवार को प्राण प्रतिष्ठा की जाएगी। गुरुवार को हवन का आयोजन किया जाएगा। इस दौरान कार्यक्रम में राकेश यादव, गुड्डू यादव, ओमप्रकाश मुंशी, रामचंद्र भारती, अजय गुप्ता और उदय राज भारती सहित कई लोग उपस्थित रहे।

सनकी भाई ने बड़े भाई की लाठी से पीटकर की हत्या

संवाददाता–संतकबीरनगर। नगर पंचायत बखिरा में स्थित बुंदीपार वार्ड में छोटे भाई ने बड़े भाई को बुरी तरह से लाठियों से पीट दिया। नतीजा यह हुआ कि बड़ा भाई बुरी तरह से घायल हो गया। इलाज के दौरान उसकी मौत हो गयी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। वहीं, आरोपी छोटे भाई को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। बुंदीपार में रहने वाले 36 वर्षीय विनायक त्रिपाठी पुत्र हनुमान तिवारी नगर पंचायत कार्यालय के बगल में अपनी पत्नी प्रतिमा व दो बच्चों संग रहते थे। उनका छोटा भाई 28 वर्षीय विक्रम उर्फ कन्हैया भी साथ में ही रहता था। 29 मार्च की रात 12.30 बजे के करीब विनायक पत्नी व बच्चों के साथ घर के बरामदे में सो रहे थे। रात में विक्रम घर पहुंचा तथा घर के बरामदे में सो रहे भाई विनायक त्रिपाठी के सिर पर लाठी से हमला कर दिया। सिर में चोट लगते ही विनायक जोर से चिल्ला उठे। पति के चिल्लाने की आवाज सुनकर विनायक की पत्नी घबराकर उठी, लेकिन कन्हैया के हाथ मे लाठी देखकर मदद के लिए गांव की ओर भागी।

हमलावर कन्हैया भाई विनायक पर हमला करता रहा। हमले के बाद वह गांव में रह रहे एक अन्य भाई बबून त्रिपाठी को भी लाठी लेकर मारने के लिए दौड़ते हुए गया, लेकिन घर का दरवाजा नहीं खुलने पर आरोपी कन्हैया गांव में स्थित पोखरे की ओर चला गया।

इसी दौरान आस पास के लोग भी जुट गए और घायल को जिला अस्पताल ले गए, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। वहीं पुलिस को सूचना दी। सूचना पाकर पुलिस भी मौके पर आ गई। पुलिस रात में ही तलाश करते हुए पोखरे पर पहुँचकर आरोपी कन्हैया को हिरासत में लेकर थाने पर आ गई। पुलिस ने घटनास्थल से मृतक का शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम में भेज दिया है। घटना की जानकारी पाने पर अपर पुलिस अधीक्षक सुशील कुमार सिंह के साथ ही थानाध्यक्ष बखिरा राकेश सिंह के साथ फील्ड यूनिट मौके पर पहुंची। वहां पर टीम ने साक्ष्य जुटाए। बताया जाता है कि आरोपी विक्रम उर्फ कन्हैया कोई काम नहीं करता था। वह लोगों से घूम घूमकर पैसे मांगता था। इसके साथ ही वह कभी कभी ईंट भट्ठे आदि पर भी काम करता था।

विनायक त्रिपाठी ने परिवार का भरण पोषण करने के लिए कुछ महीने पहले ही ई–रिक्शा खरीदा था। ई– रिक्शा की कमाई से परिवार का पालन करता था। आमदनी का यही एक मात्र साधन भी था। घर मे एक मात्र कमाई करने वाले विनायक की मौत से परिवार पर भरण पोषण का संकट आ गया है।

मृतक के दो मासूम बेटे अनमोल 6 वर्ष व आकाश 4 वर्ष है। दोनों मासूम बच्चे पिता को सूनी आंखों से खोज रहे थे। मां प्रतिमा को रोते देखकर दोनों मासूम भी दहाड़े मारकर रो रहे थे। बच्चो का भरण पोषण कैसे होगा। इतना कहते ही मृतक की पत्नी प्रतिमा रोने लगी। नगर पंचायत बखिरा के बुंदीपार में वार्ड नम्बर तीन की निवासी प्रतिमा तिवारी ने इस मामले में पुलिस को तहरीर दी है। उन्होंने आरोप लगाया है कि 29 मार्च की रात में पति विनायक त्रिपाठी घर के बरामदे में सो रहे थे। रात्रि में 12.30 बजे उसके देवर विक्रम उर्फ कन्हैया ने एक मोटे डंडे से पति के सिर पर जान से मारने की नीयत से गम्भीर प्रहार कर दिया, जिससे सिर में काफी चोट आ गई। घायल अवस्था मे पति को लेकर जिला चिकित्सालय पहुँचने पर उपचार के दौरान चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। बखिरा पुलिस ने वादी प्रतिमा की तहरीर पर आरोपी विक्रम उर्फ कन्हैया त्रिपाठी के खिलाफ हत्या का केस दर्ज किया है। अपर पुलिस अधीक्षक ने कहा कि मामले की जानकारी होने के बाद घटनास्थल का निरीक्षण किया। आरोपी भाई के उपर हत्या का केस दर्ज कर लिया गया है। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है।

चैत्र नवरात्रि के पहले दिन देवी मंदिरों में उमड़ी श्रद्धालुओं आस्था

संवाददाता–अयोध्या। अयोध्या में श्रद्धा और भक्ति के साथ रविवार से चौत्र नवरात्रि का शुभारंभ हुआ। शक्ति उपासना के इस पर्व पर श्रद्धालुओं ने विभिन्न देवी मंदिरों में जाकर पूजा–अर्चना की। शहर के बड़ी देवकाली मंदिर, छोटी देवकाली मंदिर, हट्टी महारानी, जालपा देवी सहित अन्य मंदिरों में सुबह से ही भक्तों की भीड़ उमड़ पड़ी। भक्तों ने देवी मां के दर्शन कर सुख–समृद्धि के लिए प्रार्थना की। मंदिरों में विशेष पूजा–अर्चना के साथ आरती का आयोजन भी किया गया। पुजारियों के अनुसार, नवरात्र पर उपासना का विशेष महत्व होता है, जिससे घर–परिवार में सुख–शांति बनी रहती है। मंदिर प्रांगण में श्रद्धालुओं के लिए विशेष व्यवस्थाएं की गई थीं। भक्तों ने देवी को नारियल, चुनरी और प्रसाद अर्पित कर आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर पूरे शहर में भक्तिमय माहौल देखने को मिला।

शॉर्ट सर्किट से घर में लगी आग, एसी ब्लास्ट

संवाददाता–अयोध्या। रविवार को शॉर्ट सर्किट से घर में लगी एसी ब्लास्ट हो गई। इसके बाद घर में भीषण आग लग गई। घर का आधा सामान जलकर राख हो गया। लाखों रुपये के नुकसान की बात कही जा रही है। मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड की दो गाड़ियों की मदद से दमकलकर्मियों आग पर काबू पाया। कोतवाली नगर के रीडगंज में गुलाबबाड़ी के पास शशांक यादव के घर में एसी ब्लास्ट हुआ है। पति, पत्नी व बच्चे कहीं बाहर गए थे। हादसे के दौरान घर पर कोई नहीं मौजूद था।

गोरखनाथ मंदिर में एंट्री पर स्कैन होंगे चेहरे, हर गतिविधि पर नजर

संवाददाता–गोरखपुर। गोरखनाथ मंदिर की सुरक्षा आने वाले दिनों में और पुख्ता होगी। सुरक्षा मुख्यालय की तरफ से मंदिर परिसर में फेस रिकग्निशन (एफआर) कैमरे लगाने की तैयारी है। ये कैमरे मंदिर परिसर में आने वाले सभी लोगों का चेहरा स्कैन करेगा और हर तरह की गतिविधियों पर नजर रखेगा। एआई तकनीक से काम करने वाले इस तरह के कैमरे का महाकुंभ में भी इस्तेमाल हो चुका है। खास बात यह होगी कि कैमरे से यह भी पता चल सकेगा कि व्यक्ति पहली बार आया है या फिर पहले भी आ चुका है। एआई तकनीक की मदद से यह कैमरा फेस रिकग्निशन में सक्षम होगा। यह भीड़ में भी संदिग्धों की पहचान आसानी से कर लेगा। इससे भीड़ में होने वाली संदिग्ध गतिविधियों या भगदड़ जैसी स्थिति को बनने से पहले ही काबू किया जा सकेगा। विशेषज्ञ सूत्रों के मुताबिक, जब कोई व्यक्ति संदिग्ध वस्तु के साथ या गैर कानूनी तरीके से पकड़ा जाता है, तब छानबीन की शुरूआत इससे होती है कि वह इससे पहले कितनी बार उस जगह पर आ चुका है। फेस रिकग्निशन से न सिर्फ यह पता चल जाएगा कि वह इससे पहले कितनी बार आ चुका है। साथ ही यह भी पता चल जाएगा कि परिसर के किन–किन इलाकों में उस व्यक्ति ने ज्यादा समय बिताया है। अक्तूबर 2023 को गोरखनाथ मंदिर गेट पर तीन कारतूस के साथ दो युवक गए। पूछताछ में पता चला कि दोनों झारखंड के रहने वाले हैं। वह गोरखनाथ मंदिर घूमने आये थे। लेकिन उनके पास कारतूस कहां से आया इसके बारे में वे कुछ नहीं बता पा रहे हैं। उनके पास कहां से कारतूस आया और उसे लेकर वह गोरखनाथ मंदिर क्यों जा रहे थे इन सभी बिंदुओं पर जांच की गई और आर्म्स एक्ट में उनका चालान किया गया।

24 जुलाई 2023 को श्रावस्ती के भाजपा नेता माता प्रसाद करिया की गाड़ी के डैशबोर्ड में 315 बोर कारतूस मिला था। भाजपा नेता की हत्या के बाद उनके भाई और चाचा अन्य रिश्तेदारों के साथ गोरखनाथ मंदिर में मुख्यमंत्री के जनता दर्शन में आरोपितों की गिरफ्तारी की मांग करने आ रहे थे कि चेकिंग में कारतूस पकड़ा गया और भाजपा नेता के भाई के खिलाफ आर्म्स एक्ट में कार्रवाई हुई।

15 जुलाई 2023 को गोरखनाथ मंदिर में चेकिंग के दौरान बिहार के व्यापारी सुबोध मिश्रा के बैग से .315 बोर का तमंचा मिला था। उन्हें आर्म्स एक्ट में गिरफ्तार किया गया था। पश्चिम चम्पारण (बिहार) के रहने वाले व्यापारी सुबोध मिश्रा अपने बेटे के साथ मंदिर में दर्शन करने जा रहे थे। उनके बेटे ने रेलवे स्टेशन से एक बैग को उठा लिया था। बैग में ही तमंचा था जिसे वह देख नहीं पाए थे और चेकिंग के दौरान पकड़े गए थे।

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
अदालत–श्रीमान सिविल जज (सी0डि0) महोदय बस्ती जिला–बस्ती
सिविल सूट नं0 795 / 2024
उदयभान सिंह
बनाम
वाल्मिकी सिंह उर्फ रामकृष्ण सिंह आदि
1. वाल्मिकी सिंह उर्फ रामकृष्ण सिंह पुत्र राम नायक सिंह निवासी ग्राम महरीपुर तप्पा दुबखरा परगना नगर पूरव तहसील व जिला–बस्ती
तारीख पेशी 03–05–2025

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 03 माह 05 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।
–द0 हाकिम

दैनिक भारतीय बस्ती
संस्थापक सम्पादक स्व. दिनेश चन्द्र पाण्डेय
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

प्रबन्ध सम्पादक–**दिनेश सिंह**
संयुक्त सम्पादक–**प्रदीप चन्द्र पाण्डेय**
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय–
चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय–
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय–
इलाहीबाग गोरखपुर।
मो09450567450 9336715406,
ई.मेल**bhartiyabasti@yahoo.com**
bhartiyabasti@gmail.com